आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in
Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,सोमवार 20 जुलाई 2026 ■ आषाढ़, शुक्ल पक्ष-6 ■ वर्ष -42 ■ अंक-113 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 21 जुलाई 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

कांग्रेस भारत माता की जय नहीं बोलना चाहती तो चली जाए चीन-इटली : पुरंदर

रायपुर,20 जुलाई। संसद के मानसून सत्र के पहले ही दिन केंद्र सरकार राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के अपमान या उसे गाने में बाधा डालने को एक आपराधिक अपराध बनाने के लिए राज्यसभा में नया विधेयक पेश करेगी। इस पर भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए नसीहत दी है। उन्होंने कहा कि जो भारत माता का सम्मान करेगा, वही इस देश में राज करेगा। कांग्रेस भारत माता की जय नहीं बोलना चाहती, तो कांग्रेस भारत में क्यों है? कांग्रेस को चीन चले जाना चाहिए, इटली चले जाना चाहिए। कांग्रेस के बिजली बिल अभियान पर भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा ने कहा कि करूं भी मैं और कराऊं भी मैं, यही कांग्रेस का कृत्य है। छत्तीसगढ़ की जनता को लूटने का कृत्य कांग्रेस ने किया। बिजली बिल का ठेका पूर्ववर्ती सरकार में चल रहा था। कांग्रेस की पूर्व सरकार ने केवल तीन ठेका कंपनियों को काम दिया था। जनता को ठगने का काम भूपेश सरकार ने किया। इसकी जांच होनी चाहिए। कांग्रेस जनता के सामने विष्णुदेव साय सरकार की छवि धूमिल करने का प्रयास कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव के लगातार एक साथ दौरे करने पर भी विधायक पुरंदर मिश्रा ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि 2018 में हनीमून की सरकार बनी , फिर उनका तलाक हो गया। अब एक बार फिर दोनों हनीमून मना रहे हैं।

महिला का अपहरण कर गैंगरेप, पार्क के पास बेसुध मिली पीड़िता

बालोद,20 जुलाई। जिले से महिला से गैंगरेप का बेहद शर्मनाक मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि कांकेर जिले की रहने वाली एक महिला का अपहरण कर तीन दरिंदों ने गैंगरेप किया। पीड़िता बालोद-दल्ली राजहरा मुख्य मार्ग स्थित पर्यावरण पार्क के पास बेसुध अवस्था में मिली। मामले में महिला के बयान के आधार पर पुलिस ने अपहरण और सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज कर अज्ञात आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, कांकेर जिले की रहने वाली एक महिला बालोद से दल्ली राजहरा जाने वाले मुख्य मार्ग पर पर्यावरण पार्क के पास बेसुध अवस्था में मिली थी। उसे डायल-112 की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने महिला से पूछताछ की। महिला के बयान के आधार पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपहरण और गैंगरेप की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। बताया जा रहा है.

संसद मार्च के दौरान बवाल,लाठी चार्ज

- जंतर-मंतर पर पुलिस का एक्शन, कई प्रदर्शनकारी हिरासत में
- अमित शाह से मिले शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली,20 जुलाई। 'कॉकरोच जनता पार्टी' के प्रदर्शनकारी मार्च करते हुए संसद भवन के पास पहुंच गए हैं। वहीं पुलिस ने प्रदर्शकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़ने शुरू कर दिए हैं। प्रदर्शनकारियों पर लाठी चार्ज भी किया गया। इसी बीच शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान गृह मंत्री अमित शाह से मिलने पहुंचे हैं। कॉकरोच जनता पार्टी ने दावा किया था कि सरकार उसे बात कर रही है। इसके बाद सीजेपी चीफ अभिजीत दीपके ने अनशन भी तोड़ दिया है। बता दें कि पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक अब भी अनशन पर हैं।

जानकारी के मुताबिक बैरिकेडिंग के बावजूद बहुत सारे प्रदर्शनकारी आगे बढ़ गए। प्रदर्शनकारी जब संसद भवन के पास पहुंच गए तो उनपर आंसू गैस के गोले छोड़े जाने लगे। वहीं रिपोर्ट के मुताबिक बहुत सारे प्रदर्शनकारी रेल भवन परिसर में पहुंच गया। एहतियातन मार्च से पहले ही कई मेट्रो स्टेशनों को बंद किया गया था। इसके बाद भी बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी पहुंच गए।

संसद भवन के सामने बैठे छात्र

प्रदर्शनकारी छात्र संसद भवन के सामने सड़क पर बैठ गए और नारेबाजी करने लगे। कुछ छात्रों ने बैरिकेड पार करने का प्रयास किया लेकिन कड़ी पुलिस बंदोबस्त के कारण वे बैरिकेड पार नहीं कर सके और फिर सड़क पर अन्य साथियों के धरने पर बैठ गये। पुलिस के समझाने बूझाने के बावजूद प्रदर्शनकारी छात्र वहीं डटे रहे। बाद में पुलिस के कुछ वरिष्ठ अधिकारी वहां पहुंचे और वहां छात्रों से बात की लेकिन प्रदर्शनकारी छात्र अपनी जिद पर अड़े रहे। जिस पर पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया और प्रदर्शनकारी युवा पीछे हटने को मजबूर हुए। उसके बाद पूरी सड़क को खाली कराया गया।

हिरासत में लिए गए सपा के सांसद

रिपोर्ट्स के मुताबिक समाजवादी पार्टी के कई सांसदों को संसद भवन के अंदर ही हिरासत में लिया गया है। उनमें डिंपल यादव भी शामिल है। सपा ने बयान जारी कर इस कदम को गलत बताया है। प्रदर्शनकारी छात्रों के समर्थन में समाजवादी पार्टी के सांसदों ने संसद भवन परिसर में ही मार्च निकाला था। कॉकरोच जनता पार्टी ने सोमवार को अपने प्रस्तावित 'चलो संसद' मार्च की शुरुआत कर दी। पार्टी का दावा है कि बड़ी संख्या में समर्थक इस मार्च में शामिल हुए हैं। मार्च को देखते हुए दिल्ली पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं तथा कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है। जंतर-मंतर से मार्च शुरू होने के बाद प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच तनाव की स्थिति बन गई। प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा कर्मियों के बीच झड़प के बाद दिल्ली पुलिस ने कार्रवाई की। घटनास्थल से सामने आई जानकारी के अनुसार, पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज किया। इस दौरान प्रदर्शनकारी संसद मार्ग तक पहुंच गए, जहां पहले से ही भारी संख्या में पुलिस बल तैनात था। पूरे इलाके में बैरिकेडिंग की गई है और सुरक्षा एजेंसियां स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

'कॉकरोच' को आया सरकार का बुलावा

'कॉकरोच जनता पार्टी' के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका ने ट्वीट कर पुष्टि की है कि वे सरकार के न्योते पर केंद्रीय मंत्री और भाजपा के पूर्व अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिलने जा रहे हैं। नीट परीक्षा धांधली और पेपर लीक विवाद को लेकर चल रहा छात्र आंदोलन आज एक बेहद बड़े और निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। एक तरफ जहां दिल्ली की सड़कों पर हजारों युवाओं का हुजूम 'चलो संसद' मार्च के लिए उतरा हुआ है, वहीं दूसरी तरफ सरकार और कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलनकारियों के बीच बातचीत का रास्ता पहली बार खुलता नजर आ रहा है।

लोकसभा में विपक्ष ने किया जोरदार हंगामा

नई दिल्ली,20 जुलाई। संसद का मानसून सत्र सोमवार से शुरू हो चुका है और सत्र के पहले दिन ही सदन के भीतर और बाहर भारी राजनीतिक सरगर्मी देखने को मिली है। सत्र की शुरुआत से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मीडिया को संबोधित करते हुए देश की मजबूत अर्थव्यवस्था और विकास का जिक्र किया, वहीं दूसरी ओर संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष के तीखे तेवरों के चलते हंगामा शुरू हो गया। हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी, जबकि उच्च सदन (राज्यसभा) में नवनिर्वाचित नए सदस्यों को शपथ दिलाई गई। सोमवार को जैसे ही लोकसभा की कार्यवाही शुरू हुई, विपक्षी सांसदों ने विभिन्न मुद्दों को लेकर जोरदार नारेबाजी और हंगामा शुरू कर दिया। सत्र के पहले दिन हंगामे के पूरे आसार पहले से ही जताए जा रहे थे। हालात को देखते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही को दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। वहीं दूसरी तरफ, राज्यसभा में सुचारू रूप से कार्यवाही चलाते हुए नए सदस्यों का शपथ ग्रहण

समारोह संपन्न हुआ। सत्र के आगाज से पहले मीडिया से बातचीत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदन की गरिमा बनाए रखने की अपील की। पीएम मोदी ने कहा, "मेरा मानना है कि जहां तर्क और तथ्य होते हैं, वहां शोर-शराबे की कोई जरूरत नहीं होती। अगर आपके तर्क और तथ्य मजबूत हैं, तो आवाज ऊंची करने की कोई आवश्यकता नहीं है। मुझे उम्मीद है कि संसद में चर्चाएं पूरी तरह तर्क और तथ्यों के आधार पर होंगी और हर आवाज को सुने जाने का पर्याप्त मौका मिलना चाहिए।"इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने देश की आर्थिक स्थिति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पश्चिम एशिया के युद्ध के कारण ऊर्जा के मोर्चे पर वैश्विक स्तर पर तमाम संकट आए, पेट्रोल-डीजल, एलपीजी और उर्वरक के क्षेत्र में बाधाएं पैदा हुईं। इसके बावजूद भारत 7.7 प्रतिशत की विकास दर के साथ दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाला देश बना रहा, जो हमारे देश के सामर्थ्य को दर्शाता है।

भारतीयों को ईरान से तुरंत निकल जाने की सलाह

नई दिल्ली,20 जुलाई। यूएस-ईरान के बढ़ते तनाव और बेहद हिंसक होते युद्ध के बीच तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने ईरान में भारतीय नागरिकों के लिए एक संशोधित सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। भारतीय दूतावास ने ईरान में रहने वाले अपने नागरिकों को सलाह दी है कि वो बहुत ज्यादा सावधानी बरतें। सभी भारतीयों को ईरान की यात्रा टालने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही पहले से मौजूद लोगों को ईरान से जाने को कहा गया है।

भारतीय दूतावास ने जारी की नई एडवाइजरी,

ईरान में भारतीय दूतावास ने उन नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की जो ईरान जाने की योजना बना रहे हैं. जो भारतीय पहले से ही ईरान में हैं, उनसे भी कहा गया है कि वे कुछ समय के लिए देश छोड़ने पर विचार करें. भारत ने अपने नागरिकों के लिए सख्त ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है. एडवाइजरी में तेहरान में पहले से मौजूद भारतीयों से कमर्शियल उड़ानों का इस्तेमाल करके देश छोड़ने को कहा गया है. तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने सुरक्षा स्थितियों का हवाला देते हुए सभी भारतीय नागरिकों को ईरान की अपनी आगामी यात्राओं को पूरी तरह से टालने की सख्त सलाह दी है. भारतीय दूतावास ने अपनी एडवाइजरी में कहा है कि "हाल के दिनों में ईरान में अस्थिरता और संघर्ष का स्तर बढ़ा है." यह एडवाइजरी ऐसे समय में आई है, जब ईरान और अमेरिका के बीच हमले तेज हो गए हैं और पूरे पश्चिम एशिया में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ रही है. दूतावास ने अपने बयान में कहा है कि पिछले कुछ दिनों में पूरे ईरान के भीतर अस्थिरता और हिंसा में भारी बढ़ोतरी देखी गई है, जिसके चलते सुरक्षा वातावरण अत्यंत चिंताजनक हो गया है. वहां मौजूद भारतीयों से कहा गया है,

'ईरान में रह रहे भारतीय नागरिक मौजूदा कमर्शियल फ्लाइट्स के विकल्पों का उपयोग करके अस्थायी रूप से देश से बाहर निकलने पर विचार करें. ईरान में मौजूद जितने भी भारतीय नागरिक हैं, एडवाइजरी में उन्हें सलाह दी गई है कि वो तुरंत भारतीय दूतावास में रजिस्ट्रेशन कराएं. जो लोग अभी तक नहीं कर पाए है, उन्हें तुरंत पंजीकरण कराने और दूतावास की वेबसाइट व सोशल मीडिया हैंडल को लगातार मॉनिटर करने को कहा गया है.

चोरों ने उखाड़ा एटीएम, नहीं निकाल सके कैश

जगदलपुर,20 जुलाई। बस्तर जिले में एटीएम चोरी के प्रयास का बड़ा मामला सामने आया है. रविवार रात पूरी तैयारी के साथ पहुंचे बदमाशों ने नगर बाजार स्थित एटीएम मशीन को उखाड़कर कर पैसे लूटना का प्रयास किया. हालांकि वह कैश निकालने में सफल नहीं हो सके. वारदात के बाद आरोपी कैश बॉक्स को सड़क पर गी छोड़कर मौके से फरार हो गए। मामला नगर थाना क्षेत्र का है. जानकारी के मुताबिक, बदमाश पहले एटीएम तक पहुंचे और मशीन को उखाड़ दिया. इसके बाद उन्होंने कैश बॉक्स से रकम निकालने का प्रयास किया, लेकिन असफल रहे. जब काफी कोशिशों के बाद भी कैश नहीं निकाल पाए, तो कैश बॉक्स को वहीं सड़क पर छोड़कर फरार हो गए. घटना की सूचना के बाद पुलिस ने मौके पर

पहुंचकर जांच शुरू कर की. घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को पुलिस खंगाले में जुट हुई है. वहीं लोगों से पूछताछ की जा रही है. सीसीटीवी में कैद हुए संधिग्धों की पहचान और तलाश के प्रयास किए जा रहे हैं. फिलहाल घटना में कितने लोग सामिल थे, यह सामने नहीं आया है. पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा.

हेडमास्टर की हत्या के बाद बवाल

बलरामपुर,20 जुलाई। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के घमनी गांव में हेडमास्टर की हत्या के बाद इलाके में हालात तनावपूर्ण हो गया है। गुस्साए परिजनों ने आरोपियों के घर में आग लगा दी है। घटना की सूचना मिलते ही भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंच गया और स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गया। वहीं दमकल की टीम आग बुझाने का प्रयास कर रही है। यह मामला त्रिकुंडा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, मृतक जय करण सिंह जगते शासकीय विद्यालय में हेडमास्टर के पद पर पदस्थ थे। सोमवार 20 जुलाई 2026 को वह रोज की तरह स्कूल जाने के लिए निकले थे।

एथेनॉल पर बनेगा खाना, एलपीजी की होगी छुट्टी!

सरकार जल्द लाएगी सब्सिडी स्कीम

नई दिल्ली,20 जुलाई। एथेनॉल वाले पेट्रोल से कथित रूप से गाड़ियों के इंजन खराब होने की खबरों के बीच एक बड़ी खबर सामने आ रही है। आने वाले दिनों में एथेनॉल आपके किचन में एंट्री कर सकता है। खाना एलपीजी या पीएनजी की जगह एथेनॉल वाले चूल्हे पर पकता नजर आ सकता है। इसके लिए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय जल्द ही एक नई नीति लाने जा रहा है, जिसमें एथेनॉल को खाना पकाने वाला मुख्य ईंधन बनाया जाएगा। इस नीति के तहत एथेनॉल को बढ़ावा देने के लिए सब्सिडी देने की शर्तों और सप्लाई चेन को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यह नीति एलपीजी के साथ-साथ घरेलू खाना पकाने में एथेनॉल को अपनाने में मदद करेगी। उम्मीद है कि यह नीति सितंबर तक तैयार हो सकती है। इस बारे में मंत्रालय से कोई जवाब नहीं मिला है। फरवरी में जारी 'इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट' की रिपोर्ट 'इंडियाज क्लीन कुकिंग शिफ्ट' के अनुसार, ई-कुकिंग और बायोगैस की ओर रुख करने से भारत को 2050 तक एलपीजी सब्सिडी में 2 लाख करोड़ रुपये (24 अरब डॉलर) से अधिक की बचत हो सकती है।एथेनॉल पर्यावरण के अनुकूल एक ऐसा ईंधन है, जो गन्ना, अनाज और अन्य सुगर वाली फसलों के फर्मेंटेशन से बनता है। इस साल अप्रैल में 'इकनॉमिक टाइम्स' ने खबर दी थी कि सरकार के कहने पर एथेनॉल से चलने वाले चूल्हों (स्टोव) का परीक्षण किया जा रहा है। एथेनॉल को खाना पकाने में इस्तेमाल करने से

सोनम वांगचुक के अनशन के समर्थन में रायपुर के युवा संगठन ने आज रैली निकालकर प्रदर्शन किया।

फीफा विश्व कप : 2026, स्पेन की टीम की एकजुटता ने बनाया विजेता

लड़खड़ाती फायनल पहुंची टीम इस बार हुई चारों खाने चित्त

आलेख ..जसवंत क्लॉडियस,वरिष्ठ स्वतंत्र खेल पत्रकार, टीवी कमेंटेटर, रायपुर.

जीवन का चाहे कोई भी क्षेत्र हो लोग कहते हैं मेहनत करोगे, कोशिश करोगे तो सफलता आपके कदम चूमेगी। लेकिन प्रश्न यह उठता है कि लक्ष्य को पाने के लिए मेहनत कितनी करनी चाहिए और कोशिश कैसी होनी चाहिए। इस बात की सीख फीफा द्वारा संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में सम्पन्न फीफा 2026 के अंतर्गत पुरुष वर्ग में फुटबाल का चैंपियन बनने तक के घटनाक्रम से मिलती है . 11 जून 2026 से आरंभ विश्वकप फुटबाल का यह तेइसवां संस्करण था। अपने आयोजन के 96 वर्ष के दौरान यह पहला अवसर था जबकि कोई एक विश्वकप का आयोजन तीन देशों में किया गया। अंतर्राष्ट्रीय फुटबाल परिषद के पदाधिकारियों के समक्ष फुटबाल के विश्वकप के आयोजन की मांग अपने-अपने देश में करने के लिए रखते हैं। हकीकत में ऐसा कर पाना संभव नहीं है। फुटबाल के मान्यता प्राप्त 206 देशों में से हर बार कम से कम 10 से लेकर 12 देश चाहते हैं कि आयोजन उनके देश में हो। इस समस्या का हल निकालते हुए फीफा ने तीन देशों में आयोजन का फार्मूला निकाला और 2026 में इसे सफलता मिली. 1930 में आरंभ हुए इस चैंपियनशिप के आयोजन का शतक याने 100 वर्ष 2030 में होने जा रहा है। वैसे भी 2026 के फायनल की विजेता स्पेन के गृह देश में जब यह शताब्दी टूर्नामेंट होने जा रहा है तो हम उसे सोने में सुहागा वाला आयोजन भी कह सकते हैं। 2026 का फायनल मैच संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यूयार्क शहर से 16 किमी की दूरी पर स्थित ईस्ट रदरफोर्ड के 80000 क्षमता वाले न्यूजर्सी स्टेडियम में हुआ। अत्याधुनिक सुविधा से युक्त यह स्टेडियम संसार के खूबसूरत, व्यवस्थित स्टेडियम में से एक है। भारतीय समय व तिथि अनुसार 20 जुलाई 2026 की मध्यरात्रि

का करोड़ों दर्शकों के साथ फुटबाल प्रशिक्षक व खिलाड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे थे. फायनल में जगह बनाने वाली दोनों टीम में से अर्जेंटीना दक्षिण अमेरिका महाद्वीप जबकि स्पेन यूरोप महाद्वीप की चैंपियन टीम थी। कागजों पर अर्जेंटीना की टीम मजबूत लग रही थी क्योंकि उसने 23 में से 19 बार इस स्पर्धा में भाग लिया था और वह 1978, 1986 तथा 2022 की विजेता तथा 1930, 1990, 2014 की उपविजेता टीम थी। दूसरी तरफ स्पेन ने 17 बार भाग लिया और एकमात्र 2010 में चैंपियनशिप जीती थी जबकि 1950 में वह चौथे स्थान पर थी। फायनल मैच के पहले अर्जेंटीना की टीम ने बड़ी मुश्किल से अपने प्रतिद्वंदियों को पराजित किया था। उसे केप वर्डे, इजिप्त, स्वीट्जरलैंड और हालैंड के विरुद्ध खेल के अंतिम समय में सफलता मिली थी। दूसरी तरफ स्पेन की टीम ने आस्ट्रिया, पुर्तगाल, बेल्जियम, फ्रांस को हराया था।

उपरोक्त चार मैच में अर्जेंटीना के खिलाफ 6 गोल हुए थे जबकि स्पेन ने सिर्फ एक गोल होने दिया। फायनल में समझिए स्पेन के खिलाडिय़ों ने अर्जेंटीना के सभी खिलाडिय़ों को पढ़ लिया था,कहने का तात्पर्य अर्जेंटीना के सभी खिलाड़ी स्पेन के किसी न किसी फुटबाल क्लब से जुड़े हैं और वे उनके खेलने की शैली, आक्रमण के तरीके को जानते हैं। इसी का लाभ स्पेन की टीम ने उठाया। स्पेन का डिफेंस मजबूत दीवार की तरह था। अर्जेंटीना की टीम 4-1-3-2 के आधार पर खेलती है। जबकि स्पेनिश 4-2-3-1 के आधार पर विपक्षी का सामना करते हैं। आज के मैच में अर्जेंटीना की टीम के गोलकीपर इमिलियानों की चपलता गोलपोस्ट में देखने लायक थी. जबकि स्पेनिश डिफेंडर मार्क कुकुरेला, आयमेरिक लापोर्टे, पेड्रो पोरा चीन की दीवार के समान सुरक्षा की मिसाल है। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मैसी की टीम को इस विश्व कप में मुश्किल से मिल रही एकतरफा सफलता दिलाने के क्रम पर आज स्पेन के खिलाड़ी नकेल डालने में सफल हुए. उन्हें स्पेनिश रक्षापंक्ति के खिलाडिय़ों द्वारा पूरे मैच के दौरान घेरे रखा गया। स्पष्ट है कि मैसी और उनके साथी कुछ कर नहीं पा रहे थे इसलिए उनके खेल में आज न तो दबंगई थी ना ही विश्वसनीयता। मानना पड़ेगा अन्य खिलाड़ियों से परे अर्जेंटीना के गोलकीपर ने आज जादुई खेल का प्रदर्शन करके कम से कम स्पेनिश खिलाडिय़ों के चार-पांच मूव द्वारा निश्चित गोल को नाकाम कर दिया गया। वे प्रत्येक

प्रहार को चीते की तेजी से गेंद पर झपटते हुए गोलपोस्ट के बाहर का रास्ता दिखा देते थे। आज के मैच में स्पेन के 19 वर्षीय खिलाड़ी लामिने यामल सबसे अधिक चर्चा का विषय रहे। अर्जेंटीना की टीम लगातार दूसरी बार यह स्पर्धा इसलिए नहीं जीत सकी कि उनके खिलाड़ी पूरे मैच के दौरान एक समान खेल दिखाने में असफल रहे और जब प्रत्येक मैच के आखिर में हारने लगे तो लगता सोते से जग जाते थे परंतु इस मैच में दुर्भाग्य से स्पेन के खिलाफ उनकी आलस दूर नहीं हो सकी। जिसका परिणाम वे उप विजेता होकर रह गए .

जन्मदिवस पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किया पौधारोपण,हजारों लोगों ने दी बधाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 19 जुलाई। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने रविवार को अपने जन्मदिवस के अवसर पर मेडिकल कॉलेज परिसर में आयोजित वृक्षारोपण महाअभियान-2026 में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उनके साथ जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, स्कूल के विद्यार्थियों, स्काउट-गाइड, एनसीसी कैडेट्स, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों, वरिष्ठ नागरिकों, युवाओं, महिलाओं, शहरवासियों और ग्रामीणों ने भी बड़ी संख्या में पौधे लगाए। महाअभियान के दौरान मेडिकल कॉलेज परिसर में फलदार सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने मेडिकल कॉलेज परिसर में आयोजित वृक्षारोपण महाअभियान में पौधारोपण करते हुए कहा कि कवर्धा में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज केवल एक भवन नहीं, बल्कि जिले की आने वाली पीढ़ियों की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने कहा कि यह ऐसा ऐतिहासिक कार्य होगा, जिसे लोग आने वाले सौ वर्षों तक शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाए रखेगा। आज उसी संकल्प को साकार करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज भवन का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और आज परिसर की चारों दिशाओं में व्यापक स्तर पर पौधरोपण किया जा रहा है। यह प्रदेश के सबसे तेज गति से बन रहे मेडिकल कॉलेजों में से एक है। उन्होंने अधिकारियों से निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के लिए सतत प्रयास करने कहा । अप मुख्यमंत्री ने जिले को हराभरा बनाने के लिए कार्य कर रही हरीतिमा टीम की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने में टीम का योगदान उल्लेखनीय है। संगठन के सैकड़ों युवाओं ने मेडिकल कॉलेज परिसर में पहुंचकर पौधरोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने स्वयं युवा मुट्ठी के युवाओं के साथ मिलकर पौधे लगाए। इस दौरान उन्होंने मंच से युवा मुट्ठी के कार्यों की खुलकर प्रशंसा करते हुए कहा कि ÷नेऊरगांव खुर्द के युवा पूरे जिले के लिए प्रेरणा हैं। जिले के सभी गांवों, समाजों, स्कूलों और कॉलेजों के युवाओं को युवा मुट्ठी के कार्यों को देखना और उनसे सीखना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सेवा, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, धार्मिक आयोजनों और गांव के विकास से जुड़े हर कार्य में सक्रिय भूमिका निभा रही है। ऐसे संगठनों की वजह से समाज में सकारात्मक परिवर्तन और जनभागीदारी का वातावरण तैयार हो रहा है। उन्होंने विशेष रूप से नेऊरगांव खुर्द में युवाओं द्वारा जनसहयोग से निर्मित भारत माता की 10 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा एवं अमर स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमाओं से सुसज्जित स्मारक स्थल का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे स्मारक सामान्यतः बड़े शहरों में शासन की लाखों रुपये की लागत से बनते हैं, लेकिन युवा मुट्ठी ने गांव के प्रत्येक घर और समाज के सहयोग से इसे साकार कर यह सिद्ध कर दिया कि जब समाज एकजुट होकर कार्य करता है, तो असंभव भी संभव हो जाता है। उन्होंने कहा कि यह स्मारक केवल एक निर्माण नहीं, बल्कि गांव की एकता, राष्ट्रभक्ति और युवाओं के समर्पण का जीवंत प्रतीक है। ऐसे कार्य पूरे जिले के लिए प्रेरणा हैं।। महाअभियान में व्यापारी संघ, अधिवक्ता संघ, बोल बम समिति, स्वामी विवेकानंद एकेडमी, प्राइवेट स्कूल संघ, प्रभात फेरी समूह, कार पेंटर संघ, राज मिस्त्री संघ, सेलून संघ, होटल व्यापारी संघ, रईस मिल संघ, नवजीवन रक्तदान समिति, लायंस क्लब, होटल व्यापारी संघ, गुड़ फैक्ट्री के संघ के प्रतिनिधि, यूथ क्लब, स्वच्छता दीदियां, सब्जी विक्रेता संघ, ठेकेदार संघ, समाज प्रमुख तथा विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और स्वयंसेवी संगठनों के सदस्यों ने बड़ी संख्या में भागीदारी निभाई। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पालिका अध्यक्ष श्री चन्द्र प्रकाश चंद्रवंशी, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री कैलाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य राम कुमार भट्ट, नितेश अग्रवाल जिला महामंत्री , जिला पंचायत सदस्य लोकचंद साहू, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि रूप सिंह धुर्वे , अधिकारी कर्मचारियों ने पौधारोपण किया और डिप्टी सीएम विजय भैया को बधाई दी ।

एक नजर

30 पौवा शराब सहित 2 गिरफ्तार

भिलाई, 20 जुलाई (तछसं.)। भिलाई उतई टीआई मोहन भारद्वाज ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि दो व्यक्ति ग्राम उमरपोटी स्थित गौठान के पास अवैध रूप से शराब रखकर अधिक लाभ कमाने की नीयत से बिक्री हेतु ग्राहक तलाश रहे हैं। सूचना पर थाना उतई पुलिस मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर दो संदेहियों को पकड़ा गया पूछताछ में उन्होंने अपना नाम भुनेश्वर आग्नेकर उर्फ भुवनु (28 साल) निवासी ग्राम पंचायत रोड, ग्राम गोडपेण्ड्री व नकुल वर्मा (35 साल) निवासी बाजार चौक, ग्राम गोडपेण्ड्री, थाना उतई बताया। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से एक सफेद प्लास्टिक बोरी में रखी 30 पौवा देशी मदिरा प्लेन शराब (कुल 5.4 बल्क लीटर) कीमत लगभग 2,400 तथा शराब बिक्री की नगदी 400 बरामद की है ।

मारपीट का आरोपी गिरफ्तार

भिलाई, 20 जुलाई (तछसं.)। भिलाई जामुल पुलिस ने बताया कि दिनेश रात्रे निवासी ग्राम ढौर थाना जामुल कार्य पर जाने के लिए भाठापारा ढ़ौर की ओर गया था। इसी दौरान ग्राम ढ़ौर निवासी आरोपी दुर्गेश बंजारे ने शराब पीने के लिए पैसे की मांग की। प्रार्थी ने पैसे देने से मना करने पर आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट की इस से डरकर प्रार्थी ने उसे 1,000 दे दिए उसी दिन शाम को आरोपी ने पुन प्रार्थी के साथ मारपीट की तथा उसके पिकअप वाहन में तोड़फोड़ कर क्षति पहुंचाई रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना के दौरान आरोपी को घेराबंदी कर आरोपी दुर्गेश बंजारे (24 साल) निवासी भाठापारा ढ़ौर थाना जामुल को गिरफ्तार किया है।

9 म्यूल खाताधारक,1 एजेंट गिरफ्तार

भिलाई, 20 जुलाई (तछसं.)। कमीशन के

लालच में साइबर अपराधियों को बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले 9 म्यूल खाताधारक एवं एजेंट को पुलिस ने गिरफ्तार किया है पुलिस ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार साइबर अपराध एवं म्यूल बैंक खातों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना पुरानी भिलाई पुलिस एवं एसीसीयू संयुक्त रूप से कार्रवाई की। विवेचना के दौरान यह तथ्य सामने आया कि आरोपियों अपने स्वयं के तथा अन्य व्यक्तियों के बैंक खातों का उपयोग साइबर ठगी से प्राप्त अवैध धनराशि के लेनदेन एवं अंतरण के लिए कर रहे थे। जांच में यह भी पाया कि आरोपी कमीशन प्राप्त करने के उद्देश्य से आम नागरिकों से उनके बैंक खाते, पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक एवं सिम कार्ड प्राप्त कर साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराते थे इन खातों का उपयोग ठगी की राशि को विभिन्न बैंक खातों के माध्यम से स्थानांतरित कर छिपाने के लिए किया जाता था। विवेचना एवं तकनीकी विश्लेषण से ज्ञात हुआ कि संबंधित खाताधारकों ने 2 हजार से 10 हजार तक के कमीशन के बदले अपने बैंक खाते एवं बैंकिंग दस्तावेज अन्य व्यक्तियों को उपलब्ध कराए थे।

प्रिज्म संस्थान के उड़ान-2026 ओपन प्लेसमेंट ड्राइव में 108 विद्यार्थियों का हुआ चयन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 19 जुलाई। प्रिज्म ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, उतई द्वारा 14 जुलाई 2026 को आयोजित ÷उड़ान-2026÷ ओपन प्लेसमेंट ड्राइव का सफल आयोजन किया गया। रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित इस प्लेसमेंट ड्राइव में विभिन्न कॉलेजों एवं संस्थानों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस प्लेसमेंट ड्राइव में कुल 113 विद्यार्थियों ने पंजीयन कर चयन प्रक्रिया में भाग लिया, जिनमें से 108 विद्यार्थियों का विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों एवं कंपनियों में चयन हुआ। चयनित विद्यार्थियों को ऑटोमोबाइल, बैंकिंग एवं फाइनेंस, रिटेल, मैन्युफैक्चरिंग, एजुकेशन, फार्मेसी, एग्रीकल्चर तथा इंडस्ट्री जैसे विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त हुए।इस अवसर पर कुल 22 प्रतिष्ठित संस्थानों एवं कंपनियों ने भाग लिया। इनमेंआईसीआईसीआई बैंक, टाटा मोटर्स, चौहान ऑटोमोबाइल्स, अन्नपूर्णा फाइनेंस, वर्मा एग्रोटेक, शुभम के मार्ट, श्रम इन टैलेंट प्राइवेट लिमिटेड, इकोफिल प्राइवेट लिमिटेड , लक्ष्मी ऑटोमेशन प्राइवेट लिमिटेड , दिल्ली पब्लिक स्कूल राजनंदगांव, इंदु आईटी स्कूल भिलाई,जीनियस पब्लिक स्कूल बेमेतरा,एथेना वर्ल्ड स्कूल बोथली तहसील- पाटन,ज्ञान पब्लिक स्कूल भिलाई-3, प्रिज्म पब्लिक स्कूल उतई, प्रिज्म पब्लिक स्कूल महका खुर्द, छत्तीसगढ़ वाणिज्य कॉलेज सेक्टर-6 भिलाई, संदीपनी एकेडमिक अछोटी,दुर्ग, शैलदेवी महाविद्यालय अंडा, प्रिज्म कॉलेज महका खुर्द उतई ,शिफा डेंटल क्लिनिक, लक्ष्मी मेडिकल हॉल, शिवा चिकित्सालय तथा सहित अनेक प्रतिष्ठित संस्थान शामिल रहे।चयन प्रक्रिया में लिखित मूल्यांकन, व्यक्तिगत साक्षात्कार एवं संस्थानों की आवश्यकता अनुसार विभिन्न चरणों के माध्यम से अभ्यर्थियों का मूल्यांकन किया गया। प्लेसमेंट ड्राइव के दौरान विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में करियर निर्माण एवं रोजगार के अवसर प्राप्त हुए।संस्थान के अध्यक्ष श्री रूपेश कुमार गुप्ता ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि प्रिज्म समूह का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बेहतर रोजगार उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि ÷उड़ान÷ केवल एक प्लेसमेंट ड्राइव नहीं, बल्कि युवाओं को उद्योगों एवं संस्थानों से जोड़ने का प्रभावी मंच बन चुका है। संस्थान भविष्य में भी ऐसे रोजगारोन्मुख कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा।संस्थान प्रबंधन ने इस सफल आयोजन में सहभागी सभी कंपनियों, संस्थानों, चयनकर्ताओं एवं सहयोगी टीम का आभार व्यक्त किया तथा चयनित विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सेवानिवृत्त सदस्यों का किया गया सम्मान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 20 जुलाई । बीएसपी एम्पलाइज कोऑपरेटिव एंड वेलफेयर सोसाइटी लिमिटेड, सेक्टर-4 ने भिलाई स्टील प्लांट से सेवानिवृत्त हुए अपने सदस्य कर्मचारियों का सम्मान समारोह आयोजित किया। सोसाइटी के अध्यक्ष पूरनलाल देवांगन ने कहा कि सेवानिवृत्त सदस्य संस्था के परिवार का अभिन्न हिस्सा हैं और भविष्य में भी उनका संबंध सोसाइटी से बना रहेगा। उन्होंने कहा कि संस्था सदस्यों के विश्वास और सहयोग से निरंतर आगे बढ़ रही है। समारोह में सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने सोसाइटी की पारदर्शी कार्यप्रणाली, त्वरित ऋण सुविधा, लाभांश वितरण और सदस्य हितैषी व्यवस्था की सराहना की। उन्होंने कहा कि सेवाकाल के दौरान आर्थिक जरूरतों में सोसाइटी ने हमेशा सहयोग दिया। कई सदस्यों ने नई पीढ़ी के कर्मचारियों से भी इस संस्था से जुड़ने की अपील की और भविष्य में नए सदस्य बनाने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष आसमां परवीन, अशोक राठौर, संचालक मंडल के सदस्य, सोसाइटी के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वेद प्रकाश सूर्यवंशी तथा आभार प्रदर्शन पुरुषोत्तम सिंह कंवर ने किया।

74 हजार की चोरी, दो गिरफ्तार

भिलाई, 20 जुलाई । भिलाई ऑटो में सवार यात्री की जेब से 74 हजार की चोरी करने वाले ऑटो चालक एवं उसके साथी को पुरानी भिलाई थाने पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है पुरानी भिलाई टीआई विजय यादव ने बताया कि प्रार्थी अरविन्द कुमार (32 साल) निवासी कन्या शाला स्कूल के पास ने थाना पुरानी भिलाई में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 15 जुलाई को वह जीई रोड भिलाई-03 स्थित कार्यालय से केनरा बैंक बरोदा शाखा, भिलाई-03 में 74 हजार रुपए जमा कराने जा रहा था। इस दौरान वह एक नीले-सफेद रंग के ऑटो में सवार हुआ। इसमें पहले से दो अन्य व्यक्ति बैठे हुए थे। ऑटो चालक ने प्रार्थी को पहले पीछे एवं बाद में आगे बैठाया तथा केनरा बैंक तक न ले जाकर ज्योति कटिंग चरोदा के पास उतार दिया गया वहां उतरने के बाद प्रार्थी ने अपनी जेब की जांच की तो उसमें रखे 74 हजार रुपए नगद गायब मिले प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना पुरानी भिलाई में धारा 303 (2), 3(5) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया। विवेचना के दौरान संदेह के आधार पर ऑटो चालक एवं उसके साथी को हिरासत में लेकर पहचान परेड कराई। इसमें प्रार्थी ने दोनों की पहचान की पूछताछ में आरोपियों ने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर योजनाबद्ध तरीके से चोरी करना स्वीकार किया ।

भाजपा अमलेश्वर मंडल की बैठक में संगठन सहित कई विषयों पर चर्चा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 19 जुलाई। भारतीय जनता पार्टी, अमलेश्वर मंडल द्वारा संगठन को और अधिक सशक्त, सक्रिय एवं प्रभावी बनाने, आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने, बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने तथा कार्यकर्ताओं के मध्य समन्वय एवं संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से दिनांक 19 जुलाई 2026 (रविवार) को ग्राम पंचायत पचपेड़ी के मंगल भवन में मंडल स्तरीय संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई।

बैठक में मुख्य अतिथि श्री राजीव अग्रवाल (विधानसभा प्रभारी एवं अध्यक्ष, सीएसआईडीसी, छत्तीसगढ़) उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री कमलेश चंद्राकर (मंडल अध्यक्ष, अमलेश्वर) ने की। बैठक में श्री राहुल पंडित (अमलेश्वर मंडल प्रभारी) का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

बैठक के दौरान संगठन विस्तार, बूथ सशक्तिकरण, आगामी संगठनात्मक एवं जनहितकारी कार्यक्रमों की कार्ययोजना, सदस्यता विस्तार, जनसंपर्क अभियान तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं से संगठन की विचारधारा के अनुरूप अनुशासन, समर्पण एवं सक्रियता के साथ कार्य करते हुए प्रत्येक बूथ को सशक्त एवं सक्रिय बनाने का आह्वान किया।

बैठक में प्रमुख रूप से श्रीमती नीलम चंद्राकर (सभापति एवं जिला पंचायत सदस्य), श्री राजेश चंद्राकर (सांसद प्रतिनिधि), श्री रवि सिंगौर (अध्यक्ष युवा मोर्चा एवं सरपंच), श्री धर्मेंद्र कौशिक (महामंत्री), श्री कैलाश यादव (महामंत्री), श्री दयानंद सोनकर (अध्यक्ष, नगर पालिका अमलेश्वर), डॉ. आलोक पाल (पार्षद), श्री अजीत ठाकुर (मंत्री, जिला किसान मोर्चा), श्री राजू सोनकर (पार्षद), श्रीमती यामिनी यादव (पार्षद), श्रीमती रामेश्वरी ठाकुर (पार्षद), श्रीमती गायत्री साहू (मंडल उपाध्यक्ष एवं सरपंच, उफरा), श्रीमती मधुकांता साहू (महिला मोर्चा अध्यक्ष), श्रीमती दुर्गेश नंदनी वर्मा, श्रीमती लक्ष्मी देवांगन (एल्डरमैन, नगर पालिका), श्रीमती भारती यादव (एल्डरमैन), श्री रूपेंद्र राजू साहू (उपाध्यक्ष, युवा मोर्चा, दुर्ग एवं सरपंच, ग्राम पंचायत झीट) तथा श्री कुलदीप बैसवाड़े (सांसद प्रतिनिधि, पन्ना लाल बंजारे जनपद पवन वर्मा मंत्री सहित श्री रामाधार साहू (एल्डरमैन) चेतन चंद्राकर सरपंच मिश्री लाल वर्मा एवं मंडल के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक का समापन राष्ट्रहित एवं संगठन हित में पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करने तथा आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

कानून व्यवस्था और बेरोजगारी को लेकर शिवसेना ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 20 जुलाई। शिवसेना छत्तीसगढ़ इकाई ने प्रदेश प्रमुख डॉ. आनंद सिंह मल्होत्रा के नेतृत्व में राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर राज्य की कानून व्यवस्था, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं, स्वास्थ्य एवं शिक्षा व्यवस्था सहित विभिन्न जनहित के मुद्दों पर हस्तक्षेप की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया कि राज्य गठन के लगभग ढाई दशक बाद भी छत्तीसगढ़ कई बुनियादी समस्याओं से जूझ रहा है। संगठन ने आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक है तथा राजधानी रायपुर सहित अन्य शहरों में चाकूबाजी, हत्या और गैंगवार जैसी घटनाओं में वृद्धि हुई है। साथ ही नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई की आवश्यकता जताई गई। शिवसेना ने युवाओं की बेरोजगारी का मुद्दा उठाते हुए सरकारी भर्तियों में तेजी लाने और कथित अनियमितताओं पर रोक लगाने की मांग की। संगठन ने निजी उद्योगों में स्थानीय युवाओं को 80 प्रतिशत रोजगार देने के प्रावधान का पालन सुनिश्चित कराने की भी मांग की। प्रतिनिधि मंडल में प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र यादव, प्रदेश महासचिव संतोष पांडेय, राहुल सिंह परिहार, समीर पाल, प्रकाश यादव, अक्षय पंडित, भिलाई जिला अध्यक्ष राजू गुप्ता, मिलान साहू, सरोज सेन आदि उपस्थित थे।

बंगाली समाज का नया स्वर्ग रथ लोकार्पित, सामाजिक सेवा का लिया संकल्प

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 20 जुलाई। बंगाली समाज ने अपने 20वें स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को नए स्वर्ग रथ को सर्व समाज की सेवा के लिए समर्पित किया। बीबीएस कार्यालय, आदर्श मिडिल स्कूल, बीएसपी सेक्टर-7 में आयोजित समारोह में समाज के पदाधिकारी, संरक्षक, सदस्य एवं बड़ी संख्या में शुभचिंतक उपस्थित रहे। शुभारंभ धार्मिक अनुष्ठानों के साथ हुआ, जिसके बाद नए स्वर्ग रथ की औपचारिक सुपुर्दगी की गई। इस अवसर पर समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि स्वर्ग रथ समाज के सदस्यों, संरक्षकों और शुभचिंतकों के सहयोग एवं आर्थिक योगदान से तैयार किया गया है। उन्होंने सभी सहयोगकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सेवा सर्वसमाज के लिए समर्पित रहेगी और अंतिम यात्रा जैसे संवेदनशील समय में जरूरतमंद परिवारों के लिए उपयोगी साबित होगी। समारोह में 20वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। धार्मिक अनुष्ठानों के बाद सामूहिक प्रीति भोज आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि भिलाई बंगाली समाज पिछले दो दशकों से सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। संस्था द्वारा समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण एवं रक्तदान शिविर, जरूरतमंद परिवारों की सहायता, शिक्षा को प्रोत्साहन, बंगाली नववर्ष (पोइला बैशाख) सहित विभिन्न सांस्कृतिक आयोजनों का आयोजन किया जाता है। इसके अलावा बंगाली भाषा, साहित्य और सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण तथा आपदा के समय राहत कार्यों में भी समाज लगातार योगदान देता रहा है। पदाधिकारियों ने कहा कि दो दशकों की इस यात्रा के बाद भी समाज भविष्य में सामाजिक सेवा, मानवीय सहयोग और सामुदायिक सद्भाव के कार्यों को और अधिक व्यापक रूप से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

शिक्षा व्यक्तित्व,चरित्र व जिम्मेदार नागरिक निर्माण की प्रक्रिया भी है:मजहर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 20 जुलाई। मस्जिद नूरुल इस्लाम फरीद नगर में शिक्षा का महत्व और भारतीय शिक्षा व्यवस्था में सुधार विषय पर विशेष खुत्बा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एसआईओ छत्तीसगढ़ के सदस्य एवं भिलाई के इस्लामिक स्कॉलर मज़हर जमील ने शिक्षा, नैतिक मूल्यों, छात्रों पर बढ़ते मानसिक दबाव तथा भारतीय शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक सुधारों पर अपने विचार रखे। अपने संबोधन में मज़हर जमील ने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने या रोजगार हासिल करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व, चरित्र और जिम्मेदार नागरिक निर्माण की प्रक्रिया भी है। उन्होंने कहा कि यदि शिक्षा ईमानदारी, जिम्मेदारी और अच्छे आचरण का विकास नहीं करती, तो वह अधूरी मानी जाएगी। उन्होंने भारतीय शिक्षा पाठ्यक्रम में नैतिक शिक्षा एवं चरित्र निर्माण से संबंधित विषयों और पुस्तकों को प्रभावी रूप से शामिल किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। मज़हर जमील ने बताया कि एसआईओ इंडिया ने देश के सभी सांसदों से आगामी मानसून सत्र में शिक्षा व्यवस्था की कमियों और आवश्यक सुधारों का मुद्दा उठाने की अपील की है। संगठन ने पेपर लीक और परीक्षा संबंधी अनियमितताओं से प्रभावित विद्यार्थियों के लिए उचित मुआवजा, उनकी शैक्षिक लागत सरकार द्वारा वहन करने तथा बर्बाद हुए समय की भरपाई के लिए प्रभावी कदम उठाने की भी मांग की है। कार्यक्रम में जमात-ए-इस्लामी हिंद, भिलाई के अध्यक्ष एजाज अहमद, एसआईओ छत्तीसगढ़ के स्टेट सेक्रेटरी मोहम्मद ज़ुलक़रनैन, एसआईओ छत्तीसगढ़ के पूर्व अध्यक्ष इमरान अज़ीज़, एसआईओ भिलाई के सदस्य उबैद खान, फरहान कॉमर्स क्लासेज के डायरेक्टर फरहान सहित एसआईओ एवं जमात-ए-इस्लामी हिंद से जुड़े अनेक सदस्य और सहयोगी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने शिक्षा सुधार, विद्यार्थियों के अधिकारों की रक्षा तथा शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही सुनिश्चित करने संबंधी विचारों का समर्थन किया।

सिंधु तट पर शिवनाथ का जल अर्पित कर दिया एकता का संदेश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 20 जुलाई। इस्पात नगरी के युवा श्रद्धालु संतोष ठाकुर ने लेह-लद्दाख में सिंधु नदी के तट पर आयोजित प्रथम सिंधु कुंभ में भाग लेकर दुर्ग जिले की शिवनाथ नदी का पवित्र जल पूरे विधि-विधान के साथ सिंधु नदी को समर्पित किया। इस अनूठी पहल को उन्होंने भारतीय सांस्कृतिक और आध्यात्मिक एकता का प्रतीक बताया। मॉडल टाउन निवासी संतोष ठाकुर ने बताया कि सिंधु नदी के घाट पर आयोजित प्रथम कुंभ का हिस्सा बनना उनके लिए गर्व और सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कहा कि दुर्ग से शिवनाथ नदी का जल लेकर सिंधु नदी में अर्पित करने का अवसर जीवन का अविस्मरणीय अनुभव रहा। उन्होंने बताया कि भारत सरकार की पहल पर आयोजित सिंधु दर्शन यात्रा का यह 30वां वर्ष था। इस यात्रा में प्रत्येक वर्ष देशभर से श्रद्धालु सिंधु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इस वर्ष पहली बार सिंधु नदी तट पर कुंभ का आयोजन किया गया, जिसमें देशभर से लगभग 2,850 श्रद्धालुओं ने भाग लिया। 22 से 27 जून तक लेह-लद्दाख के सिंधु घाट पर आयोजित कार्यक्रम में कलश यात्रा, सिंधु पूजन और सिंधु स्नान सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। संतोष ठाकुर ने बताया कि उनकी यात्रा 17 जून को जम्मू से प्रारंभ हुई। श्रद्धालुओं का जत्था श्रीनगर और कारगिल होते हुए लेह पहुंचा, जहां प्रथम सिंधु कुंभ में शामिल हुआ। इस यात्रा में भिलाई से दीपचंद साहू भी उनके साथ सहभागी रहे। संतोष ठाकुर ने बताया कि यात्रा प्रारंभ करने से पहले उन्होंने दुर्ग स्थित शिवनाथ नदी के तट पर पूजा-अर्चना कर कलश में पवित्र जल लिया था। लेह पहुंचने के बाद उन्होंने उसी जल को वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ सिंधु नदी में समर्पित किया।

एक नजर

स्मार्ट मीटर से बढ़े बिजली बिलों के संबंध में इदरीस गांधी ने मुख्यमंत्री से प्रभावी पहल का आग्रह किया

रायपुर, 20 जुलाई। स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद बिजली बिलों में अप्रत्याशित वृद्धि की लगातार सामने आ रही शिकायतों को लेकर छत्तीसगढ़ उर्दू अकादमी के अध्यक्ष इदरीस गांधी ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर मामले में त्वरित संज्ञान लेने का आग्रह किया है। इदरीस गांधी ने पत्र में कहा कि प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से उपभोक्ताओं द्वारा बिजली बिलों में अचानक बढ़ोतरी की शिकायतें उन सामने आ रही हैं। कई परिवारों का कहना है कि पहले सीमित राशि में आने वाला मासिक बिल अब कई गुना बढ़ गया है, जिससे उनके घरेलू बजट पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कम खपत के बावजूद अधिक बिल आने की शिकायतों से उपभोक्ताओं में चिंता और असंतोष का माहौल बन रहा है। कई लोग अपनी समस्या के समाधान के लिए बिजली विभाग के कार्यालयों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। इदरीस गांधी ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि स्मार्ट मीटर और बढ़े हुए बिजली बिलों से संबंधित शिकायतों की तकनीकी एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही जिन मामलों में बिलों में असामान्य वृद्धि पाई जाए, वहां उपभोक्ताओं को नियमानुसार तत्काल राहत प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों का समयबद्ध समाधान और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता बेहद जरूरी है। मुख्यमंत्री स्तर पर इस विषय की समीक्षा होने से प्रदेशभर के प्रभावित उपभोक्ताओं को राहत मिलने की उम्मीद है।

सूखे नशे की गिरफ्त में युवा पीढ़ी, कब टूटेगा यह खतरनाक जाल : इदरीस गांधी

रायपुर, 20 जुलाई । छत्तीसगढ़ उर्दू अकादमी के अध्यक्ष इदरीस गांधी ने कहा कि रायपुर सहित प्रदेश के विभिन्न शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में गांजा, नशीली गोलियों, प्रतिबंधित मादक टैबलेटों तथा अन्य सूखे नशीले पदार्थों की बढ़ती उपलब्धता गंभीर चिंता का विषय है। विशेष रूप से युवाओं और विद्यार्थियों तक इन पदार्थों की पहुंच लगातार बढ़ना चिंताजनक है। सूखे नशे का बढ़ता प्रचलन कानून-व्यवस्था के साथ-साथ सामाजिक स्तर पर भी एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि कम उम्र में नशीले पदार्थों की उपलब्धता युवाओं की शिक्षा, अनुशासन और भविष्य को प्रभावित कर रही है। जिस आयु में विद्यार्थियों को शिक्षा और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, उस समय उनका नशे की ओर आकर्षित होना चिंता का विषय है। सूखे नशे के कारण अनेक परिवार भी अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हो रहे हैं, इसलिए इस समस्या को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। इदरीस गांधी ने राज्य सरकार से मांग की है कि प्रदेशभर में सूखे नशे के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जाए तथा गांजा, नशीली गोलियों, प्रतिबंधित मादक टैबलेटों एवं अन्य सूखे नशीले पदार्थों की बिक्री और उपलब्धता पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ठोस कार्ययोजना बनाई जाए। स्कूलों, कॉलेजों, छात्रावासों तथा युवाओं की अधिक आवाजाही वाले क्षेत्रों के आसपास निगरानी बढ़ाते हुए नियमित और परिणाममूलक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि इस बढ़ती चुनौती पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विधेयक-2026' का चेम्बर ने किया स्वागत

रायपुर 20 जुलाई। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज़ ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद द्वारा 'छत्तीसगढ़ ईज ऑफडूइंग बिजनेस (विनियमन-मुक्ति एवं सुविधा) विधेयक-2026' के प्रारूप को स्वीकृति प्रदान किए जाने का हार्दिक स्वागत किया है। चेम्बर ने इसे प्रदेश में निवेश, उद्योग, व्यापार एवं आर्थिक विकास को नई गति प्रदान करने वाला ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी निर्णय बताया है। चेम्बर अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा लिया गया यह निर्णय छत्तीसगढ़ को उद्योग एवं व्यापार के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने वाला सिद्ध होगा। इस प्रकार का विधेयक लागू करने वाला छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य बनने जा रहा है, यह प्रदेश के लिए गौरव का विषय होने के साथ-साथ निवेश-अनुकूल वातावरण निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। डीम्ड परमिशन, स्व-प्रमाणीकरण, तृतीय-पक्ष सत्यापन, जोखिम-आधारित निरीक्षण तथा प्रक्रियाओं के सरलीकरण जैसे प्रावधान प्रदेश में निवेश को और अधिक आकर्षक बनाएंगे तथा उद्यमियों के लिए व्यवसाय स्थापित एवं संचालित करना पहले की अपेक्षा अधिक सरल और सुविधाजनक होगा। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के प्रभावी क्रियान्वयन से घरेलू एवं बाह्य निवेश को बढ़ावा मिलेगा, नए उद्योगों की स्थापना को गति मिलेगी तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) सहित सभी वर्गों के उद्यमियों के लिए नए अवसर सृजित होंगे। इससे रोजगार के अवसरों का विस्तार होगा और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी। श्री थौरानी ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रशासनिक प्रक्रियाओं के आधुनिकीकरण, डिजिटल व्यवस्था के विस्तार तथा निवेश-अनुकूल वातावरण के निर्माण की दिशा में यह विधेयक छत्तीसगढ़ को देश के अग्रणी औद्योगिक एवं निवेश गंतव्यों में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। चेम्बर अध्यक्ष श्री थौरानी ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह विधेयक प्रदेश के औद्योगिक विकास, व्यापारिक प्रगति और समग्र आर्थिक समृद्धि के नए युग का मार्ग प्रशस्त करेगा। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज़ को विश्वास है कि इस पहल से व्यापार, उद्योग, निवेश और रोजगार के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित होंगे तथा विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लक्ष्य को नई गति मिलेगी।

विश्रामपुर नकटी में गूंजे जस गीत, मंत्री टंकराम वर्मा ने किया मां महामाया शीतला मंदिर का लोकार्पण, लाखों की दी सौगात

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा 20 जुलाई। आस्था, भक्ति और विकास का संगम शुक्रवार को तिल्दा के समीपस्थ ग्राम पंचायत विश्रामपुर नकटी में देखने को मिला। यहां वर्षों की मेहनत और ग्रामीणों के सहयोग से बने मां महामाया शीतला मंदिर का भव्य लोकार्पण प्रदेश के मंत्री टंकराम वर्मा के कर कमलों से संपन्न हुआ। लोकार्पण के साथ ही पूरे गांव में उत्सव का माहौल बन गया। मंदिर परिसर को फूलों और रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया था। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक जस गीतों से हुई। स्थानीय महिलाओं और कलाकारों ने मां शीतला की महिमा का गुणगान किया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। बड़ी संख्या में दूर-दराज से आए श्रद्धालु और ग्रामीणजन इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बने।

लोकार्पण के पश्चात आयोजित सभा को संबोधित करते हुए मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि धर्म और विकास एक साथ चलते हैं। सरकार की प्राथमिकता है कि गांव के अंतिम व्यक्ति तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचे और साथ ही हमारी संस्कृति और आस्था भी संरक्षित रहे। इसी कड़ी में उन्होंने क्षेत्र के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं जिसमें शीतला मंदिर पहुंच तक सीसी रोड वही अहाता निर्माण की घोषणा की गई। मंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शीतला मंदिर तक पहुंचने वाले मार्ग पर सीसी रोड का निर्माण कराया जाएगा। इसके अलावा मंदिर परिसर की सुरक्षा और सुंदरता के लिए आहाता भी बनाया जाएगा। मंदिर के रख-रखाव और भावी विस्तार के लिए लाखों रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा भी उन्होंने मंच से की। साथ ही क्षेत्र में समाज सेवा का कार्य कर रही दो सेवा समितियों को भी आर्थिक सहयोग प्रदान करने की बात कही। वही एक पेड़ मां के नाम से वृक्षरोपण किया गया

मंत्री वर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि मां शीतला इस क्षेत्र की कुलदेवी हैं और उनकी कृपा से ही गांव में सुख-शांति बनी रहती है। इस नए मंदिर के निर्माण से न केवल स्थानीय लोगों की धार्मिक आस्था को बल मिलेगा, बल्कि आसपास के गांवों से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी यह आस्था का प्रमुख केंद्र बनेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में यह स्थान धार्मिक पर्यटन के रूप में भी विकसित होगा जिससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और गरिमामय बना दिया। समारोह में पूर्व जिला महामंत्री अनिल अग्रवाल, ग्राम पंचायत की सरपंच ममता राकेश वर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रकला वर्मा, मंडल अध्यक्ष मनोज निषाद के साथ ही नरसिंह वर्मा, भाजयुमो के महामंत्री रामेश्वर साहू, अनिल नायक, जनपद सदस्य लालिनी ध्रुव सहित सुदर्शन वर्मा, भारत वर्मा मानपुर, शंकर वर्मा, हर्ष वर्मा, अनिल वर्मा, अजीत वर्मा, आकाश सिरमौर, सोमनाथ पैकरा, शैलेन्द्र ध्रुव और विशाल वर्मा बड़ी संख्या में मौजूद रहे। सभी ने मंदिर निर्माण समिति और ग्रामीणों के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। ग्रामीणों ने मंत्री की घोषणाओं का तालियों से स्वागत किया और कहा कि यह मंदिर आने वाली पीढ़ियों के लिए आस्था और एकता का प्रतीक बनेगा।

फेडरेशन ने बच्चों की मौत के लिए ब्लाक शिक्षा अधिकारी को जिम्मेदार बताया

■ **मामला बोरतलाव थाना परिक्षेत्र का**

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ /बोरतलाव 20 जुलाई। तीन मासूमों की मौत के खुलासे के बाद शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों में हड़कंप सा मच गया है। ज्ञात हो कि डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत बोरतलाव के आश्रित ग्राम गांधीनगर में विगत दिनांक 15 जुलाई को प्राथमिक शाला के समीप अवैध उत्खनन से निर्मित हुआ डबरी में प्राथमिक शाला के मासूम छात्रों की डूबने से मौत हो गई थी। जिसके बाद बताया गया कि शिक्षक फेडरेशन के द्वारा 15 जुलाई को सामूहिक हड़ताल होने के कारण स्कूल परिचालन का महत्ती जिम्मेदारी संकुल प्रभारी व विकासखंड शिक्षा अधिकारी को फेडरेशन के द्वारा 13जुलाई को पत्र जारी साफतौर पर अवगत करा दिया था कि आगामी 15 जुलाई को फेडरेशन के द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से हड़ताल पर जाने की लिखित घोषणा की गई थी और उस दिनांक को स्कूल के परिचालन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी संकुल प्रभारी व विकासखंड शिक्षा अधिकारी को बनती थी परन्तु विकासखंड शिक्षा अधिकारी व संकुल प्रभारी के द्वारा उचित कदम नहीं उठाया गया जिसके कारण पालकों के द्वारा बच्चों को स्कूल भेज दिया गया था और इस दौरान जिम्मेदार शिक्षक की अनुपस्थि के कारण

बच्चे बेलगाम हो गए और देखते ही देखते तीन बच्चे रेलवे के अवैध उत्खनन वाले गड्ढे के भरे हुए बरसाती पानी के समीप पहुंचे गए और देखते ही देखते दोपहर के समय एक बाद एक प्राथमिक शाला के तीन मासूम छात्र बच्चे के पानी में डूब जाने से मौत हो गई। इसके खुलासे के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप सा मच गया है। समाचार प्रकाशन के दूसरे दिन जिम्मेदार अधिकारी से प्रतिक्रिया लेने के लिए संपर्क किया गया। क्षेत्र के संकुल प्रभारी किशोर पंचभावे से दूरभाष पर चर्चा करने के बाद प्रतिक्रिया में श्री पंचभावे ने कहा कि रविवार अवकाश की दिन है उसके बाद आप पत्रकारों के द्वारा परेशान किया जा रहा है, आप पत्रकारों के द्वारा बार बार फोन किया जा रहा है आप को कितना पैसा चाहिए, मामले को दबाने के लिए वह पैसा मैं कल पहुंचा दूंगा परन्तु आप लोग हमारे साप्ताहिक अवकाश को बर्बाद ना करें। आप अपनी कीमत बता देना मैं पहुंचा दूंगा। तो दूसरी तरफ विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्रीनिवास मिश्रा से प्रतिक्रिया लेने के लिए दूरभाष पर संपर्क किया गया परंतु कोई प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हुई।

ज्ञात हो कि घटना परिक्षेत्र के क्षेत्रों में आए अनोखी शिकायतें देखने को बार बार मिल रही हैं जिसके कारण शिक्षा विभाग के अधिकारियों व शिक्षको के प्रति कई प्रकार के सवाल खड़े हो गए हैं ? ज्ञात हो कि विगत वर्ष बोरतलाव हाई स्कूल के एन एस एस छात्र छात्राओं को दस दिवसीय कैंप के लिए बरनारा कला हाई स्कूल में लाया गया था इस दौरान दर्जन भर से अधिक छात्राओं की तबियत बिगड़ गई थी जिसका नियमानुसार ईलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में होना था परन्तु कैंप को लीड करने वाले शिक्षकों ने ईलाज के बदले स्कूल के समीप स्थित मजार में ले जाकर ईलाज के बदले झाड़फूंक करवाया जा रहा था जिसकी सूचना निर्वतमान सरपंच के द्वारा का मीडिया को दी गई। सूचना के बाद देर रात मीडियाकर्मियों के पहुंच जाने के बाद शिक्षा विभाग के द्वारा मामले की जांच के नाम पर पालकों को सूचना देकर रातों रात पीड़ित छात्राओं को घर पहुंचा दिया गया और मीडिया को बताया गया कि दोषी लीड करने वाले शिक्षकों के विरुद्ध शख्त कार्यवाही की जावेगी। सालों बीत जाने के बाद भी दोषी शिक्षकों के विरुद्ध सक्षम अधिकारियों के द्वारा क्या कार्यवाही की गई इसका पता सालों बीत जाने के बाद भी नहीं चल पाया है और उसी संकुल में वर्षों तीन मासूम छात्रों के मौत का मामला जिस प्रकार से सामने आया है, इस मामले में अभी तक क्षेत्र के विधायक दलेश्वर साहू से लेकर प्रदेश सरकार की ओर से, पूर्व सांसद व वर्तमान महापौर मधुसूदन यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष दिनेश गांधी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष भरत वर्मा, अनुसूचित जनजाति आयोग उपाध्यक्ष एम डी ठाकुर सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियो के द्वारा दोषी शिक्षक, रेलवे ठेकेदारों, माइनिंग विभाग के अधिकारी कर्मचारी से लेकर अन्य दोषियों के ऊपर कठोर कार्रवाई करने की बात कही जा रही है परन्तु 6 दिन बीत जाने के बाद भी कार्यवाही के नाम पर जिला कलेक्टर के द्वारा समिति का गठन कर पीड़ित परिवार को 12 लाख मुआवजा देकर आगे के कार्यवाही के लिए राह देखी जा रही है जो कई प्रकार सवाल खड़े कर रहे हैं।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत संकुल स्तरीय संगठन को दिया गया प्रशिक्षण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार,20 जुलाई। शासन की महत्वकांक्षी पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का जिले में बेहतर क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन में शासकीय विभागों के साथ ही समूह की महिलाओं की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। हितग्राहियों से ऑनलाइन फॉर्म भरवाने एवं बैंको में अवश्यक समन्वय के लिये समूह की महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार को संकुल सोनाखान में संकुल स्तरीय संगठन को वेंडर रजिस्ट्रेशन एवं अन्य जटिल विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। सोलर ऊर्जा को बढ़ावा देने तथा पर्यावरण संरक्षण हेतु पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना लागू की गई है। योजना अंतर्गत केन्द्र एवं राज्य शासन द्वारा सब्सिडी का प्रावधान है। 3 किलोवाट का सोलर पैनल लगवाने पर कुल खर्च 1 लाख 80 हजार आता है। इसमें 1 लाख 8 हजार सरकार की ओर सब्सिडी मिलती है। केवल 72 हजार हितग्राही का होता है वह भी 3 साल में रिकवर हो जाता है। बैंक से ऋण की भी सुविधा है। सोलर पैनल के लिये ऑनलाइन आवेदन के साथ ही बैंक ऋण का भी विकल्प होता है।बैंक से आसानी से फाइनेंस हो जाता हैं। बताया गया कि पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत अब तक जिले में 4140 लोगों ने सोलर पैनल लगवाया है। योजना के तहत इस वर्ष 15100 सोलर पैनल लगवाने का लक्ष्य निर्धारित है।

पुलिस ने अभियान चलाकर 3 लोगों को शराब सहित किया गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार 20 जुलाई। जिले में अवैध रूप से महुआ एवं मसाला शराब की बिक्री व परिवहन करने वाले शराब कोचियों के खिलाफ पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय (भापुसे) के कुशल निर्देशन में आज दिनांक 19.07.2026 को पूरे जिले में एक विशेष धरपकड़ अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत थाना पलारी द्वारा दो अलग-अलग मामलों में 02 आरोपियों तथा थाना गिधौरी द्वारा 01 आरोपी को भारी मात्रा में अवैध शराब के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। तीनों आरोपियों से कुल ?5200 कीमत मूल्य का 37 लीटर हाथ भट्टी महुआ शराब, बिक्री रकम ?300 एवं शराब परिवहन में प्रयुक्त एक स्कूटी बरामद किया गया है। तीनों आरोपियों के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबध्द कर तीनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है।

पहला मामला (अपराध क्र. 304/2026): थाना पलारी पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति स्कूटी से अवैध शराब लेकर ग्राम टीपावन से पलारी नहर के रास्ते आ रहा है। पुलिस टीम ने गोदाम नहर पार के पास घेराबंदी कर स्कूटी क्रमांक छ्त्त 04 क्क्न 0749 (टीवीएस 125) को रोका, जिसमें ?आरोपी गेंदराम जांगड़े के स्कूटी की डिक्की से एक थैले के अंदर 4 पारदर्शी पॉलिथीन में भरी हुई कुल 16 लीटर हाथ भट्टी निर्मित देशी महुआ शराब (कीमत ?1,600/-) तथा परिवहन में प्रयुक्त स्कूटी (कीमत ?40,000/-) को भी विधिवत जब्त किया गया।

दूसरा मामला (अपराध क्र. 305/2026): पलारी पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम जंगलोर कौड़िया रोड खेत की मेढ़ में भारी मात्रा में देशी महुआ शराब छिपाकर बेची जा रही है। पुलिस टीम ने मौके पर दबिश देकर एक आरोपी गेंदराम खंडेलवाल को पकड़ा, जिसके कब्जे से प्लास्टिक बाल्टी और बोरी के भीतर छिपाकर रखी गई कुल 06 लीटर हाथ भट्टी निर्मित देशी महुआ शराब (कीमत ?600/-) जब्त की गई। थाना गिधौरी-टुंडरा की कार्रवाई: तीसरा मामला (अपराध क्र. 150/2026): थाना गिधौरी पुलिस टीम द्वारा देहात भ्रमण और मुखबिर सूचना के आधार पर ग्राम घटमडवा में सुलभ शौचालय के पीछे झुरमुट में दबिश दी गई, जहां अवैध रूप से शराब बिक्री करने वाले आरोपी अभिमन्यू गोड को पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे से एक प्लास्टिक जरीकेन (15 लीटर क्षमता वाली जिसमें लगभग 12 लीटर शराब थी) तथा 2 अन्य प्लास्टिक बोतलों से कुल 15 लीटर कच्ची महुआ शराब (कीमत ?3,000/-) बरामद की गई। इसके साथ ही शराब बिक्री की नगद राशि ?300/- भी जब्त की गई।

112 की टीम ने त्वरित रेस्क्यू कर घायल चालक को पहुंचाया जिला अस्पताल बलौदाबाजार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार 20 जुलाई। आज दिनांक 19.07.2026 को दोपहर करीब 03:00 बजे थाना सिटी कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत एक सड़क हादसा हुआ। यहाँ एक तेज रफ्तार माजदा वाहन के चालक द्वारा वाहन से नियंत्रण खो देने के कारण गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई। इस दुर्घटना में वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली की डायल 112 (बाज-02) टीम ने त्वरित रिस्पॉन्स टाइम (क्र्ञ्ञ) दिखाते हुए घायल चालक को तत्काल जिला चिकित्सालय बलौदाबाजार में भर्ती कराया। कंट्रोल रूम से इवेंट मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस टीम- ?कंट्रोल रूम से दोपहर 03:00 बजे इवेंट (सूचना) प्राप्त होते ही डायल 112 बाज-02 में तैनात आरक्षक क्रमांक 916 राजेश लकड़ा और वाहन चालक दुर्गेश साहू तत्काल मौके के लिए रवाना हुए। टीम ने रास्ते में कॉलर से लगातार संपर्क बनाए रखा और बिना कोई समय गंवाए सीधे घटनास्थल पर पहुंच गई। ?घटनास्थल पर पहुंचने पर पुलिस टीम ने देखा कि एक माजदा वाहन सड़क से नीचे

उतरी हुई थी और उसका चालक केबिन में घायल अवस्था में पड़ा था। पूछताछ में घायल की पहचान शेखर निषाद (पिता स्व. रामकुमार निषाद, उम्र 24 वर्ष), निवासी हलवाई खपरी (थाना सिटी कोतवाली) के रूप में हुई। 'गोल्डन आवर' में मिला त्वरित उपचार, टला बड़ा खतरा- वाहन के अनियंत्रित होकर पलटने की स्थिति में आने के कारण चालक शेखर निषाद के पैर और आंख के पास गंभीर चोटें आई थीं, जिससे काफी खून बह रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए आरक्षक राजेश लकड़ा और चालक दुर्गेश साहू ने संवेदनशीलता का परिचय दिया। उन्होंने स्थानीय लोगों की मदद से घायल चालक को बेहद सावधानीपूर्वक वाहन से बाहर निकाला और तत्काल डायल 112 सरकारी गाड़ी में बैठाकर जिला अस्पताल बलौदाबाजार लेकर रवाना हुए। अस्पताल पहुंचकर डॉक्टरों से मिलकर घायल को तुरंत इमरजेंसी वार्ड में एडमिट कराया गया, जिससे समय पर उसका इलाज शुरू हो सका।

रायपुर ज्ञानशाला का राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने किया अवलोकन, संस्कारों के संवर्धन पर दिया जोर

रायपुर 20 जुलाई। जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने रायपुर स्थित ज्ञानशाला का अवलोकन कर इसके संचालन की जानकारी ली तथा भविष्य में इसके विस्तार एवं प्रभावी संचालन के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री फूलचंद जैन, श्री प्रकाश लोढ़ा एवं संगठन मंत्री श्री निर्मल गोखरु ने छत्तीसगढ़ अंचल ज्ञानशाला के आंचलिक संयोजक वीरेंद्र डागा के साथ श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, रायपुर द्वारा संचालित ज्ञानशाला का निरीक्षण किया। इस दौरान अतिथियों ने ज्ञानशाला की गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों में बचपन से ही आध्यात्मिकता, नैतिक मूल्यों एवं संस्कारों का बीजारोपण करने में ज्ञानशाला की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने ज्ञानशाला को संस्कारों की शाला ज्ञानशाला की संज्ञा देते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी पहल बताया। कार्यक्रम में रायपुर ज्ञानशाला की संयोजिका श्रीमती सौम्य लूंकड़ ने ज्ञानशाला की गतिविधियों, उपलब्धियों एवं संचालन संबंधी संक्षिप्त जानकारी प्रस्तुत की।

युवान कार्यक्रम एवं वन महोत्सव के माध्यम से विद्यार्थियों ने दिया प्रकृति संरक्षण का संदेश

■ **एक पेड़ माँ के नामअभियान के लगभग 200 विद्यार्थियों ने वृक्षारोपण में लिया भाग**

बलौदाबाजार,20 जुलाई। बलौदाबाजार वनमण्डल अंतर्गत प्रत्येक शनिवार को नियमित रूप से संचालित किए जा रहे युवान कार्यक्रम एवं वन महोत्सव के अंतर्गत विभिन्न वन परिक्षेत्रों में वन भ्रमण, पौधारोपण, प्रकृति शिक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रमों के अंतर्गत अर्जुनी, देवपुर, कोठारी, सोनाखान एवं बल्दाकछार वन परिक्षेत्रों के विभिन्न विद्यालयों एवं परिसरों में विद्यार्थियों को वन एवं पर्यावरण संरक्षण से संबंधित व्यवहारिक जानकारी प्रदान की गई। वन भ्रमण के दौरान उन्हें वनों एवं वन्यजीवों का मानव जीवन में महत्व, जैव विविधता संरक्षण, पर्यावरण संतुलन, जल एवं मृदा संरक्षण तथा प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन शैली के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही विद्यार्थियों को मिट्टी कटाव के कारण एवं उसके रोकथाम के उपायों की भी जानकारी दी गई।

एक पेड़ माँ के नामअभियान के तहत पौधारोपण: कार्यक्रम के दौरान कोठारी, सोनाखान एवं बल्दाकछार वन परिक्षेत्रों के विभिन्न विद्यालयों एवं ग्रामों में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत छायादार एवं फलदार प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। विद्यार्थियों, शिक्षकों, वन प्रबंधन समितियों, ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने पौधारोपण कर पौधों की सुरक्षा एवं नियमित देखभाल का संकल्प लिया। इस अवसर पर पौधारोपण के साथ-साथ वनों से प्राप्त होने वाले प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभों के बारे में भी जानकारी साझा की गई। अर्जुनी वन परिक्षेत्र के शासकीय प्राथमिक शाला अर्जुनी, कोठारी वन परिक्षेत्र के शासकीय प्राथमिक शाला कोठारी, देवपुर वन परिक्षेत्र के शासकीय प्राथमिक शाला धमलपुरा, सोनाखान वन परिक्षेत्र के शासकीय प्राथमिक शाला सारसडोल, शासकीय प्राथमिक शाला दादर एवं शासकीय प्राथमिक शाला पोड़ी तथा बल्दाकछार वन परिक्षेत्र के सूरबाय परिसर सहित कुल 7 स्थानों पर युवान कार्यक्रम एवं वन महोत्सव का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में लगभग 200 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विद्यार्थियों ने वन भ्रमण, पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण, वन एवं वन्यजीव संरक्षण, जल एवं मृदा संरक्षण तथा प्रकृति संरक्षण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में भाग लेते हुए पौधों की सुरक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

वनमण्डलाधिकारी धम्मशील गणवीर ने कहा कि युवान कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रकृति के निकट ले जाकर उन्हें व्यवहारिक रूप से पर्यावरण एवं वन संरक्षण की शिक्षा देना है। उन्होंने कहा कि जब बच्चे प्रकृति को समझेंगे और उसके संरक्षण में स्वयं भागीदारी करेंगे, तभी भविष्य में एक संवेदनशील एवं जिम्मेदार समाज का निर्माण होगा। वनमण्डल द्वारा प्रत्येक शनिवार इस प्रकार की गतिविधियों का आयोजन निरंतर किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक युवा प्रकृति संरक्षण के इस अभियान से जुड़ सकें।

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने किया जिला न्यायालय कांकेर का निरीक्षण

कांकेर 20 जुलाई। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर के मुख्य न्यायाधीश श्री रमेश सिन्हा ने आज जिला एवं सत्र न्यायालय कांकेर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, परिवार न्यायालय, प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायालय, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, व्यवहार न्यायाधीश के न्यायालयों एवं सेंट्रल प्रोसेस अनुभाग, अभिलेखागार, सर्वर, लीगल एंड डिफेंस काउंसिल सिस्टम, मालखाना, लेखा अनुभाग, ग्रंथालय, डिजिटलीकरण एवं स्कैनिंग केंद्र, पीड़िता विश्राम कक्ष, किलकारी कक्ष सहित विभिन्न अनुभागों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर के रजिस्ट्रार जनरल रजिस्ट्री के अधिकारी एवं कर्मचारी, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कांकेर श्री संजीव कुमार टामक, श्री रमाशंकर प्रसाद न्यायाधीश परिवार न्यायालय, कलेक्टर कांकेर श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर, प्रथम जिला एवं सत्र न्यायाधीश पखांजूर श्री विजय मिंज एवं प्रथम जिला एवं सत्र न्यायाधीश भानुप्रतापपुर श्री दीपक गुप्ता, प्रथम जिला एवं सत्र न्यायाधीश कांकेर श्रीमती विभा पांडेय, मुख्य न्यायिक मजिस्टेऊट श्री भास्कर मिश्र, सचिव जिला विधिक प्राधिकरण श्रीमती शांति प्रभु, सिविल जज जुनियर डिवीजन श्री निखिल साहू, सुश्री आयुषी शुक्ला, श्री हिमांशु चंद्राकर, श्री मयंक ध्रुव, एसपी श्री निखिल राखेचा सहित जिला न्यायालय कांकेर के समस्त स्टाफउपस्थित रहे। f

मोदी सरकार किसी के दबाव में कहां आती है

राहुल गांधी कहते रहते हैं कि मोदी सरकार कमजोर सरकार है, पीएम मोदी कमजोर पीएम हैं, वह पूरे पांच साल पीएम नहीं रहने वाले हैं।राहुल गांधी के कहने व मानने से न तो मोदी सरकार कमजोर हुई है और न ही पीएम मोदी कहीं से कमजोर हुए हैं। राहुल गांधी व कांग्रेस न माने लेकिन देश के लोग मानते हैं कि पीएम मोदी किसी के दबाव में आकर कोई काम नहीं करते हैं।वह कोई भी फैसला किसी के दवाब में आकर नहीं करते हैं, कोई सोचता है कि वह दबाव डालकर पीएम मोदी से कोई फैसला करवा सकता है तो उसकी गलतफहमी देरसबेर पीएम मोदी दूर कर देते हैं कि इस बार काकरोच जनता पार्टी को यह वहम हो गया कि वह जंतर मंतर में धरना प्रदर्शन करेंगे और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का नीट पेपर लीक मामले में इस्तीफा मांगेगे तो कुछ दिनों में पीएम मोदी उनका इस्तीफा लें लेंगे। सीजेपी के आंदोलन को २० दिन से ज्यादा हो गया है और पीएम मोदी ने शिक्षामंत्री को इस्तीफा देने के लिए नहीं कहा है। शिक्षामंत्री के इस्तीफे की मांग कई दिनों तक करने के बाद भी जब मोदी सरकार ने शिक्षामंत्री को नहीं हटाया और लोगों की भीड़ भी जंतरमंतर में नही जुट रही थी तो सरकार पर दवाब बढ़ाने, लोगों की भीड़ जुटाने व विपक्ष को समर्थन के लिए मजबूर करने के लिए सोनम वांगचुक मिल गए अनशन करने के लिए। इससे सीजेपी वालों को आंदोलन के संजीवनी मिल गई। उनके आंदोलनस्थल पर अब लोगों की भीड़ बढ़ने लगी लोग वांगचुक के लिए आने लगे।वांगचुक के कारण आंदोलन को मीडिया में कवरेज भी मिलने लगा। सबसे ज्यादा फायदा तो वांगचुक को हुआ है,उनका तो अभिजीत,राहुल गांधी से ज्यादा प्रचार हुआ है।।आंदोलन व वांगचुक के अन्नशन का समर्थन नहीं करने के कारण विपक्ष व कांग्रेस की आलोचना होने लगी तो आखिरी के कुछ दिन विपक्ष के बड़े नेता राहुल,अखिलेश,तेजस्वी,ममता आदि तो नहीं आए लेकिन उन्होंने अपने नेताओं को भेजा ताकि कोई यह न कह सके कि विपक्ष इस आंदोलन व अनशन का समर्थन नहीं किया। यह तो एक तरह से समर्थन नहीं मजबूरी में किया गया समर्थन था।कांग्रेस ने पवन खेड़ा को भेजा। राहुल गांधी नहीं गए,अखिलेश ने अपनी पत्नी को भेजा खुद नहीं गए। क्योंकि उनको अंदेशा था कि यह आंदोलन तो विपक्ष को नुकसान पहुंचाने के लिए किया जा रहा है। मोदी सरकार के लिए दोबारा नीट परीक्षा करना चुनौती थी,दोबारा उसने नीट परीक्षा करा दी है, उसका रिजल्ट भी आ गया है और फिर से भर्ती शुरू हो गई है। यानी मोदी सरकार के लिए तो नीट पेपर लीक का मुद्दा अब कोई मायने नहीं रखता है। उसके लिए तो यह अब कोई मुद्दा नहीं रह गया है।सीजेपी के लिए यह मुद्दा अब प्रतिष्ठा का प्रश्न जरूर बन गया है क्योंकि उनकी तो एक ही मांग थी कि शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें।यह मांग तो पूरी हुई नहीं है और न ही भविष्य में पूरी होने वाली है क्योंकि पीएम मोदी शिक्षा मंत्री का इस्तीफा भी लेने वाले थे तो अब नहीं लेंगे क्योंकि अब शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लेने का मतलब होगा कि पीएम मोदी ने सीजेपी और कांग्रेस के दवाब में इस्तीफा लेने के मजूबर हुए हैं। अगर शिक्षामंत्री ने अपना काम ठीक से नहीं किया है तो जिस तरह पीएम मोदी ने दूसरे मंत्रियों को पद से हटाया था, उसी तरह धर्मेंद्र प्रधान को अगले मंत्रिमंडल विस्तार में हटा देते लेकिन अब सीजेपी व विपक्ष की मांग यही है इसका मतलब है कि शिक्षा मंत्री को अभी तो नहीं हटाया जाएगा। यानी वह सुरक्षित है और उनका मंत्री पद सुरक्षित है और इसका श्रेय सीजेपी व कांग्रेस को है। दिल्ली सरकार व मोदी सरकार चाहती तो अन्नशन के कुछ दिन बाद जब कोर्ट ने जब यह कर दिया था कि हर जीवन कीमती है, उसे खतरे में नहीं डाला जा सकता। वांगचुक के स्वास्थ्य की चिंता के बहाने दिल्ली पुलिस व मोदी सरकार के पास मौका था कि उनको अनशन स्थल से उठाकर अस्पताल में भर्ती करा दिया जाता। दिल्ली पुलिस व मोदी सरकार ने उनको अनशन करने का मौका दिया। अपने तौर पर सम्मानजनक ढंग से अनशन समाप्त करने का मौका दिया।केजरीवाल जंतर मंतर आए थे, कहा जा रहा था कि राहुल गांधी जंतरमंतर आते हैं तो अनशन समाप्त कर दिया जाएगा लेकिन न तो केजरीवाल ने अनशन समाप्त कराया और न राहुल गांधी जंतरमंतर आए। दिल्ली हाईकोर्ट का आदेश तो १६ जुलाई को आ गया था कि वांगचुक की हालत बिगड़ने न दी जाए। ऐसे में दिल्ली पुलिस ने वांगचुक को १८ जुलाई को अस्पताल में भर्ती कराया दिया है तो यह काम तो दो दिन लेट हो गया है। दिल्ली पुलिस तो यह काम पहले ही कर सकती थी। विपक्ष ने वांगचुक का दिल से समर्थन नहीं किया लेकिन दिल्ली पुलिस उसे अस्पताल ले गई तो सब को बोलने का मौका मिल गया है। मोदी सरकार की आलोचना करने का मौका मिल गया है। मोदी सरकार ने तो अपनी तरफ से कुछ नहीं किया है। उसने तो वही किया है जो दिल्ली हाईकोर्ट ने उससे करने को कहा था, उसकी जिम्मेदारी बताया था। वांगचुक के प्राणों की रक्षा करने का काम कोर्ट ने मोदी सरकार व दिल्ली पुलिस को सौंपा था, उन्होंने तो वही किया है, वांगचुक के प्राणों की रक्षा की है।अनशन करते हुए वांगचुक को कुछ हो जाता तो उसका दोष तो मोदी सरकार पर लगता कि मोदी सरकार उनके प्राण बचाने के लिए कुछ नहीं किया।अनशन स्थल से वांगचुक को इसलिए भी हटाना था कि उनके कारण भीड़ आ रही थी,विपक्ष एकजुट हो रहा था,जब भी कही भीड़ जुटती है तो सरकार चिंतित रहती है कि कहीं कुछ बड़ा न हो जाए और विपक्ष को आलोचना करने का मौका न मिल जाए।

विदेश

ट्रंप की नीतियों ने विश्व में गिराई अमेरिका की साख

तनवीर जाफ़री

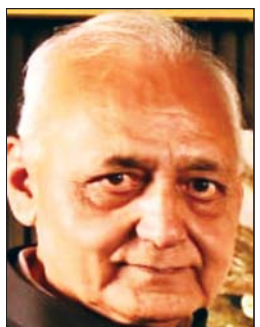

दरअसल 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद ही अमेरिका को विश्व की सबसे बड़ी महाशक्ति के रूप में वैश्विक मान्यता मिल चुकी थी। तब तक अमेरिका परमाणु बम सम्पन्न देश होने के अलावा संयुक्त राष्ट्र के गठन में भी अपनी अग्रणी भूमिका निभाने लगा था। साथ ही अमेरिकी डॉलर ने भी अपनी वैश्विक भूमिका अदा करनी शुरू कर दी थी। हालांकि 1945 के बाद ही सोवियत संघ को भी विश्व की दूसरी महाशक्ति के रूप में देखा जाने लगा था परन्तु 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद तो अमेरिका अकेली वैश्विक महाशक्ति रह गया। उसी समय से "विश्व की सबसे बड़ी महाशक्ति" के रूप में अमेरिका की स्वीकार्यता लगभग निर्विवाद हो गई थी। उसके बाद अमेरिका स्वयं को वैश्विक महाशक्ति के साथ साथ 'वैश्विक थानेदार' के रूप में भी स्वयं को देखने लगा। और लगभग विश्व के सभी देशों के आंतरिक मामलों पर नज़र रखने लगा। धीरे धीरे प्रत्येक दो पड़ोसी देशों के आपसी मतभेदों,तनाव अथवा सीमा विवाद का लाभ उठाकर अमेरिका ने दुनिया भर के तमाम देशों में अपने सैन्य अड्डे बनाने व अमेरिकी सैनिकों की तैनाती करनी शुरू कर दी। एक अनुमान के अनुसार इस समय विश्व भर में अमेरिका के लगभग 750 से अधिक सैन्य अड्डे मौजूद हैं। ये अड्डे लगभग 80 अलग अलग देशों में फैले हुए हैं। इनमें स्थायी बेस, एयरबेस, नौसैनिक अड्डे, लॉजिस्टिक सेंटर और छोटे "लिली पैड" फ़ारवर्ड ऑपरेटिंग लोकेशन आदि शामिल हैं। पेंटागन की एक ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार 2026 के आसपास क़रीब 1,08,000 से अधिक अमेरिकी सैनिक लगभग 160 देशों में तैनात या अग्रिम रूप से मौजूद हैं। अमेरिकी सैनिकों की तैनाती सैन्य अड्डों से कहीं अधिक देशों में फैली हुई है। जापान, जर्मनी और दक्षिण कोरिया की गिनती उन देशों में हैं जहाँ अमेरिकी सैन्य अड्डों और अमेरिकी सैनिकों की तैनाती सबसे अधिक है। दूसरी तरफ़ 1970–80 के दशक में चीन की "भविष्य की महाशक्ति" के रूप में कल्पना की जाने लगी। और 1990–2000 के दशकआते आते उसे एक "उदयमान महाशक्ति" के रूप में देखा जाने लगा। और 2010 के बाद से तो चीन को व्यावहारिक रूप से अमेरिका के बराबर या उसके बाद आने वाली वास्तविक वैश्विक महाशक्ति के रूप में गिना जाने लगा। गोया चार दशकों पहले तक जो चीन, दुनिया के सबसे ग़रीब देशों में गिना जाता था वही देश 1978 के बाद के सुधारों से तेज़ी से बढ़कर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया और आज वैश्विक उत्पादन व सप्लाई चेन में उसकी केंद्रीय भूमिका है। बड़े पैमाने पर निर्माण, निर्यात-आधारित विकास, विदेशी निवेश के लिए खुले विशेष आर्थिक क्षेत्र, और कम लागत वाली श्रमशक्ति ने चीन को विश्व अर्थव्यवस्था की धुरी बना दिया। इसी अवधि में चीन ने अपनी सेना को आधुनिक बनाया, नौसेना, मिसाइल और अंतरिक्ष कार्यक्रमों में भारी निवेश किया, जिससे उसे केवल विश्व की आर्थिक नहीं बल्कि सामरिक महाशक्ति के रूप में भी देखा जाने लगा। 5G, एआई, अंतरिक्ष प्रक्षेपण और हाई-टेक विनिर्माण में उसकी तेज़ प्रगति ने "मेड इन चाइना 2025" जैसी रणनीतियों के तहत तकनीकी महाशक्ति की छवि को भी विश्व स्तर पर मज़बूत किया। बेल्ट एंड रोड पहल के माध्यम से एशिया, अौका और यूरोप में आधारभूत संरचना पर निवेश व ऋण देकर चीन ने अपनी भू-राजनीतिक पकड़ और कूटनीतिक शक्ति को बढ़ाया, जो महाशक्ति का एक प्रमुख गुण माना जाता है। साथ ही ताइवान, दक्षिण चीन सागर और सीमा विवादों पर उसकी मुखर नीति ने भी यह संदेश दिया कि वह क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति के स्तर पर 'खेलना' चाहता है। परन्तु अमेरिका व चीन की वैश्विक नीतियों में यह बड़ा अंतर भी रहा कि चीन ने अमेरिका की तरह दूसरे देशों से 'थानेदार' जैसा बर्ताव करने के बजाये क्षेत्रीय मामलों में ग़ैर ज़रूरी दख़लअंदाज़ी से परहेज़ किया। दूसरे देशों की प्राकृतिक सम्पदाओं पर गिद्ध दृष्टि नहीं रखी। दो देशों को,आपस में लड़ाकर अपने हथियार बेचना,किसी देश पर क़ब्ज़ा कर लेना, धमकाना या किसी राष्ट्राध्यक्ष का अपहरण कर लेना जैसी छिछोरी नीति नहीं अपनाई।

चीन और शी ज़िननपिंग तथा अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप की इन्हीं नीतियों का परिणाम पिछले दिनों अमेरिकी रिसर्च संस्था Pew शोध केंद्र के ताज़ातरीन वैश्विक सर्वे में परिलक्षित होकर सामने आया है। इस सर्वे में यह पाया गया कि अमेरिका के मुक़ाबले चीन की और ट्रंप के मुक़ाबले शी ज़िनपिंग की विश्व में लोकप्रियता व उनके प्रति विश्व में भरोसा बढ़ा है। अमेरिकी रिसर्च संस्था द्वारा यह सर्वे पिछले दिनों 36 देशों में किया गया।

सर्वे के निष्कर्षों के अनुसार 36 में से लगभग 25 देशों में लोगों ने चीन के प्रति अमेरिका की तुलना में अधिक सकारात्मक राय व्यक्त की। इसी सर्वे में विश्व मामलों को संभालने की क्षमता व विश्वसनीयता के मामले में शी ज़िनपिंग को डोनाल्ड ट्रंप से अधिक विश्वास मिला। इस सर्वे में पहली बार यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से नज़र आई कि कई देशों में चीन की छवि अमेरिका से अधिक सकारात्मक हो गई है, जबकि पिछले दो दशकों में आमतौर पर अमेरिका की छवि चीन से बेहतर रहती थी। 27 देशों में लोगों ने चीन को अमेरिका से अधिक अनुकूल रूप में देखा। यानी चीन को बेहतर सहभागी, निवेशक और स्थिर शक्ति माना। कई देशों में लोगों ने अंतरराष्ट्रीय मामलों को संभालने की क्षमता के मामले में भी शी ज़िनपिंग पर डोनाल्ड ट्रंप की तुलना में अधिक भरोसा जताया। आश्चर्य तो यह है कि जिन 36 में से लगभग 22 देशों में लोगों ने शी जिनपिंग को ट्रंप से बेहतर या अधिक पसंदीदा नेता माना इनमें कनाडा, मैक्सिको, ाँस, जर्मनी और ब्रिटेन जैसे महत्वपूर्ण पश्चिमी देश भी शामिल हैं। ट्रंप के नेतृत्व पर भरोसा कई देशों में बहुत कम रहा। एक पुराने वैश्विक सर्वे में भी 70% उत्तरदाताओं ने ट्रंप पर अंतरराष्ट्रीय मामलों में भरोसा नहीं जताया था जो कि उनके प्रति लंबे समय से चली आ रही 'शंकाओं' को दिखाता है। कई विकासशील देशों को यह भी लगता है कि चीन उन्हें सड़कों, बंदरगाहों, उद्योग और डिजिटल आधारभूत संरचना में तत्काल मदद दे रहा है, जबकि अमेरिका की मदद प्रायः राजनीतिक शर्तों पर आधारित तथा सुरक्षा गठबंधनों से बंधी हुई होती है। चीन ने एशिया, अौक़ा, लैटिन अमेरिका और यूरोप के कई हिस्सों में आधारभूत संरचना में निवेश, लोन, बेल्ट ऐंड रोड जैसे प्रोजेक्ट्स के ज़रिए "विकास साझेदार" की छवि बनाई है, जिससे वहाँ के आम लोगों में चीन को अवसर देने वाली शक्ति के रूप में देखा गया। इसी सर्वेक्षण और इसके विश्लेषणों में खुलकर कहा गया है कि ट्रंप प्रशासन के दौरान कई फ़ैसलों ने अमेरिकी छवि को काफ़ी नुक़सान पहुँचाया है। जैसे सहयोगी देशों के साथ तनावपूर्ण संबंध, विदेशी सहायता में कटौती, कठोर व्यापार विवाद और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से दूरी,ट्रंप की बोल भाषा, मुस्लिम देशों, आप्रवासियों और सहयोगियों के प्रति उनके विवादित बयान, NATO, यूरोपीय यूनियन और अंतरराष्ट्रीय संगठनों पर बार' बार हमले जैसे कारकों ने उन्हें व्यक्तिगत स्तर पर भी व उनके साथ ही अमेरिका के प्रति भी दुनिया का भरोसा कम किया है। रही सही कसर ईरान-इस्राईल,मध्य पूर्व,वेनेज़ुएला व यूक्रेन आदि के प्रति ट्रंप की नीतियों ने पूरी कर दी। कहना ग़लत नहीं होगा कि ट्रंप की नीतियां ही विश्व में अमेरिका की साख गिरने की ज़िम्मेदार हैं।

सू- दोकू क्र.105

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.104 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

शब्द सामर्थ्य -105

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

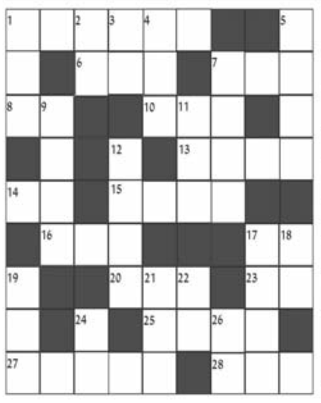

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 104 का हल

भू	कं	प		फा	य	दा		स
प		ल	ला	ट		य	ती	म
ति	ल	क		क	न	क		झ
	क्ष्म				रे			
ग	ण	क		सं	श	य		सौ
ह		या	च	क		म	न्न	त
रा	क्ष	स		र	क्ष	क		न
	त्रि				मि			
शा	य	री		का	त	र		गो

मुस्कान, जो बर्फ हो गई

व्यंग्य

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

हम एक ऐसे अजीब समय में जी रहे हैं जहाँ इंसान रिश्तों को दिल में रखने के बजाय सामान की तरह सहूलियत के खानों में फिट करने लगा है। उस रात जब कमरे का सन्नाटा बर्फ की तरह जम चुका था, उसने अपनी जीवनसंगिनी के उस वजूद को शांत कर दिया जो कभी चौके से लेकर उसके हर सुख-दुख में खटर-पटर करती थी। वह चाहता तो उस शरीर के बाकी हिस्सों को शहर के उस सुदूर, वीरान और उजाड़ कोने में मिट्टी तले हमेशा के लिए दफन कर सकता था, जहाँ किसी इंसान की परछाईं तो क्या, परिंदे का भी पहुँचना नामुमकिन था। उसने ऐसा किया भी हाथ-पैर और बाकी जिस्म को उसने ज़मीन की उन अंधेरी गहराइयों में सौंप दिया जहाँ गुमनामी का साम्राज्य था। लेकिन जब बारी उस चेहरे की आई, जिससे उसने कभी सात फेरे लिए थे, तो उसके हाथ ठिठक गए। उसने उस ठंडे पड़ चुके सिर को उठाया और घर के कोने में रखे डबल-डोर फ्रिज के सबसे सुरक्षित हिस्से में ले जाकर रख दिया। यह कोई पागलपन नहीं, बल्कि इस आधुनिक और डिजिटल युग के एक पति का अपनी पत्नी के प्रति आखिरी, सबसे वफादार और गहरा समर्पण था, जिसे दुनिया शायद कभी समझ नहीं पाती। फ्रिज का वह कोना मानो उस घर का सबसे पवित्र मंदिर बन गया था, जहाँ प्रेम को ताज़ा रखने की एक अंतिम और नाकाम कोशिश चल रही थी। इंसान जब दुनिया के झमेलों से थक जाता है, तो वह उन चीज़ों की तरफ भागता है जो कभी नहीं बदलतीं, और उस बंद डिब्बे के भीतर का तापमान ठीक वैसा ही था जैसा उन दोनों के वैवाहिक जीवन का आखिरी हफ्ता। वह रोज़ दफ़्तर से आता, कोट उतारता और सीधे उस ठंडे बक्से का दरवाज़ा खोलकर उस चेहरे को निहारता, जो अब बिना किसी शिकायत के, बिना किसी ताने के, बिल्कुल शांत और मुद्राहीन होकर उसे देखता रहता था। समाज में इसे एक खौफनाक वारदात कहा जाएगा, अख़बार वाले इसे क्रूरता की पराकाष्ठा लिखेंगे, लेकिन उस चारदीवारी के भीतर यह एक मूक संवाद था, एक ऐसा मुहावरा जो ज़बान से नहीं, केवल आँखों से पढ़ा जा सकता था। उसने अपनी पत्नी के गुस्से, उसकी तीखी आवाज़ और रोज़-रोज़ के तानों से तंग आकर यह कदम उठाया था, लेकिन अब उसी शांति को सहेजने के लिए उसने अपनी पूरी गृहस्थी को एक कबाड़खाने और बर्फ की सिल्ली में तब्दील कर दिया था। मोहल्ले वाले और पुलिस वाले अक्सर इस बात पर सिर खुजलाते रहे कि आख़िर कोई कातिल इतना शातिर होने के बाद इतनी बड़ी बेवकूफ़ी कैसे कर सकता है। जब आपकी पहुंच इस दुनिया के सबसे सुरक्षित और अछूते ठिकानों तक हो, जहाँ कानून के लंबे हाथ भी बौने साबित हो जाएं, तब उस सबूत को अपने ही बेडरूम के ठीक बगल में रसोई के भीतर संभाल कर रखना किसी आत्मघाती कदम से कम नहीं था। लेकिन यहाँ सारा खेल तो उस रूपक का था, जिसे वह अपनी ज़िंदगी में जिंदा रखना चाहता था। वह अक्सर सोचता था कि अगर वह उस चेहरे को भी मिट्टी में मिला देता, तो शाम को चाय की चुस्की लेते वक्त वह किससे बहस करता? वह अपनी नौकरी की नाकामी और समाज के थपेड़ों का गुस्सा किस पर निकालता? वह चेहरा अब एक ऐसा दर्पण बन चुका था जो बोलता नहीं था, लेकिन उसके वजूद को यह अहसास कराता रहता था कि वह अकेला नहीं है। इस डिजिटल और मतलबी ज़माने में जब ज़िंदा लोग एक-दूसरे को ब्लॉक कर देते हैं, उसने अपनी पत्नी को हमेशा के लिए अपने पास स्टोर करके रख लिया था, ताकि कोई चाहकर भी उन्हें जुदा न कर सके। दिन हफ़्तों में और हफ़्ते महीनों में बदलते गए, पर उस फ्रिज के भीतर का सस्पेंस और उस पति की आँखों का सूनापन कभी कम नहीं हुआ। पुलिस की तहकीकात चल रही थी, खोजी कुत्ते गलियों की खाक छान रहे थे और पड़ोस की औरतें दबी ज़बान में उस लापता पत्नी की भलाई की दुआएं मांग रही थीं। लेकिन किसी को भनक तक नहीं थी कि जो औरत कभी इस घर की रीढ़ हुआ करती थी, वह अब उस घर की सबसे महंगी मशीनरी का दिल बन चुकी है। वह पति रोज़ सुबह उठकर उस फ्रिज को साफ़ करता, मानो वह कोई मज़ार हो जहाँ उसकी मुरादें पूरी होती हों। उसने दुनिया की नज़रों में धूल झोंकने के लिए हर जतन किया, सारे रास्ते बंद कर दिए, मगर अपने दिल का वह रास्ता खुला रखा जो सीधे उस ठंडे केबिन की तरफ जाता था। यह व्यंग्य नहीं तो और क्या है कि हम जिस इंसान के ज़िंदा रहते उसकी बात सुनने को तैयार नहीं होते, उसके चले जाने के बाद उसकी खामोशी को अपनी सांसों में बसाने के लिए कानून तक को दांव पर लगा देते हैं। आखिरकार वह दिन भी आ गया जब सच्चाई के पैरहन से पर्दा उठना ही था, और पुलिस की भारी-भरकम बूटों की आवाज़ उसके आंगन में गूंज उठी। उन्होंने घर का कोना-कोना छान मारा, दीवारों को टटोला, मगर जब वे उस चमकते हुए फ्रिज के पास पहुंचे, तो सबका दिल दहल गया। दरोगा ने कांपते हाथों से जैसे ही उसका दरवाज़ा खोला, सामने का नज़ारा देखकर कमरे में मौजूद हर शख्स की चीख निकल गई। वहाँ केवल मांस का कोई लोथड़ा या कोई डरावना अवशेष नहीं था, बल्कि उस कटे हुए सिर के ठीक बगल में एक बेहद खूबसूरत, कांच के फ्रेम में मढ़ी हुई एक पुरानी तस्वीर रखी थी। उस तस्वीर में वे दोनों मुस्कुरा रहे थे, और उस कटे हुए सिर के होंठों पर भी वही पुरानी, बर्फ में जमी हुई मुस्कान थी, मानो वह कह रही हो कि तुमने मुझे दुनिया से तो छुपा लिया, पर अपने पास से दूर नहीं कर पाए। पुलिस वाले हैरान थे कि इस खौफनाक मंज़र में भी एक अजीब सी रुला देने वाली मासूमियत और ठहराव था, जिसने कानून के क्रूर चेहरे को भी भावुक कर दिया था। दरोगा ने जब उस पति की कलाई में हथकड़ी पहनाई और बेहद गुस्से में पूछा कि 'जब तुमने सब कुछ इतनी सफ़ाई से छुपा दिया था, तो इस सिर को यहाँ रखकर खुद को क्यों फंसाया, तुम इसे भी गायब कर सकते थे?' तब उस पति ने अपनी सूजी हुई, रोती हुई आँखों से दरोगा की तरफ देखा और एक ऐसी बात कही जिसने वहाँ खड़े हर इंसान के रोंगटे खड़े कर दिए। उसने एक गहरी ठंडी सांस ली, मुस्कुराया और बोला, 'साहब, अगर मैं इसका सिर भी उस वीरान जंगल में गाड़ देता, तो रोज़ सुबह उठकर मेरा आधार कार्ड, मेरी बैंक की पासबुक और मेरे दफ़्तर की ज़रूरी फाइलें ढूंढ कर मुझे कौन देता? इसके बिना तो मैं ज़िंदा होकर भी लावारिस था, और सच मानिए, भले ही इसने मुझे आज फंसा दिया, पर इस घर का सारा पासवर्ड और चाबियाँ आज भी इसी के दिमाग में महफ़ूज़ थीं।' यह सुनते ही दरोगा के हाथ से पेन छूट गया और पूरा महकमा इस अद्भुत, दिल दहला देने वाले वैवाहिक यथार्थ पर निशब्द रह गया।

क्या रोलेट एक्ट और निवारक नजरबंदी के दौर में सत्याग्रह तो नहीं कर रहे हो?

पुखराज प्राज,छत्तीसगढ़

हाल-ए-बयाँ क्या करें साहब? सवाल पूछने का पासा तो जैसे जंग खाकर खोखले लिबाज़ तले दफ्न होने के कगार पर है। मुझे सवाल पूछने कि प्रतियोगिता में क्षेमेन्द्र मुनि की सिंहासनद्वात्रिंशति यानी सिंहासन बत्तीसी की याद आती है। जिसमें राजा यदि विक्रमादित्य समरूप न रहा तो उसे सिंहासन में रहने का अधिकार ही नहीं है। मगर ये टैंड जरा पुराना है आज कल तो डेमोक्रेसी का जमाना है। डेमोक्रेसी यानी लोकतंत्र, यह वह बला है जिसके बारे में प्लेटो ने 2400 वर्ष पूर्व ही कह दिया था कि , लोकतंत्र एक आकर्षक सरकार है,जो अव्यवस्था से भरी है और बराबर और गैर- बराबर दोनों को बराबरी बांटती है। संभवतः इसी तरह के हालातों को हम और आप दर्शकदीर्घा में बैठे देखने पर मजबूर है। क्योंकि लोकतंत्र के अखाड़े में मत-बहुमत के खेल में सियासी पार्टी इतर ही प्रासंगिक है। बहरहाल, जनता के भावी कल यानी युवा पीढ़ी परीक्षा और पेपर लीक की सांप सीढ़ी में उलझकर रह गई है। जहां परीक्षा में गरीब-अमीर, आम-खास सभी के बच्चे परीक्षा में बैठते है, परीक्षा चाहे कोई भी हो पेपर लीक मे मामले तो जैसे आम हो चुके है। एक परीक्षा के लीक से जाने कितने लोगों के अरमान टूट जाते हैं। कोई उम्र के दायरे से, कोई पिता के सपने से, कोई अपनों की लाठी बनने के फिराक में परीक्षा में सम्मिलित होता है। मगर रिजल्ट्स निकले ना निकले मगर पेपर लीक के घटना से वह विक्षिप्त जरूर हो जाता है। सारी नाकामी को दो-चार प्यादों के मत्थे मड़कर सियासतदान अपने कॉलर ऊपर करते दिखाई पड़ते है। हाँ रह जाता है तो सिर्फ अधूरी आस, अधूरे ख्वाब, अधूरे सपने मगर इनकी कौन सूध ले, जब अँधेर नगरी चौपट राजा की चाल पर सरकार हो। यदि सवाल पूछने की हिमायत कर लिया जाये तो चैनल्स से निकाल कर चुन-चुनकर पत्रकार रूपी सर्पों का फन-कुचल दिया जाता है। क्योंकि राजा को शहद पसंद है और ये नाग न जाने क्यों राजा के दरबार में जहरीले बोल कहने की हिम्मत रखते हैं। इसलिए भी इनको कुचलना आवश्यक हो जाता है। इसी तर्ज पर सीजेपी ने कॉमिक पार्टी के रूप में काकरोचों का बहुत डिजिटल हंगामा, बवाल सब कटा लेकिन नहीं बात न बन पाई। नीट की परीक्षा के पेपर लीक के मामले से हतास होकर सोनम वांगचुक 28 जून 2026 से जंतर-मंतर पर आमरण अनशन पर बैठे थे। जिसमें कॉकरोच जनता पार्टी ने बखुबी साथ दिया और दे रहे हैं। मांग सिर्फ शिक्षा में जवाबदेही और नीट पेपर लीक में भारी गड़बड़ी को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे हैं। सोनम वांगचुक कहते है,शिक्षा मेरे दिल के बहुत करीब है। जब युवा शिक्षा के मुद्दों पर आवाज उठाते हैं तो मैं कैसे चुप रह सकता हूं। सहयोगी सीजेपी का कहना है इससे लाखों छात्रों का भविष्य खतरे में है। परीक्षा सिस्टम में पारदर्शिता, जवाबदेही, और परीक्षा से जुड़े तनाव के कारण आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को मुआवजा देना चाहिए। 59वर्ष के सोनम वांगचुक, गांधी , लियो टॉल्स्टॉय, हेनरी डेविड थोरो और मार्टिन लूथर किंग जूनियर की विचारधारा से तालुक रखते है। जैसे गांधी के लिए सत्याग्रह सिर्फ विरोध नहीं था। सत्याग्रह का अर्थ है सत्य के लिए आग्रह। यह कमजोर का हथियार नहीं, सबसे बहादुर का हथियार है। इसमें नफरत के लिए कोई जगह नहीं, सिर्फ प्रेम और आत्म-बलिदान है। सबकुछ शांति से चल रहा था; मगर 20 दिन बाद 18 जुलाई को दिल्ली पुलिस ने उन्हें जबरदस्ती उठाकर सफदरजंग अस्पताल ले गई। 20 जुलाई को संसद तक चलो संसद" मार्च करने वाले थे। वांगचुक ने कहा था मैं किसी भी तरह 20 जुलाई तक जिंदा रहूंगा ताकि आप सबके साथ संसद मार्च कर सकूं।

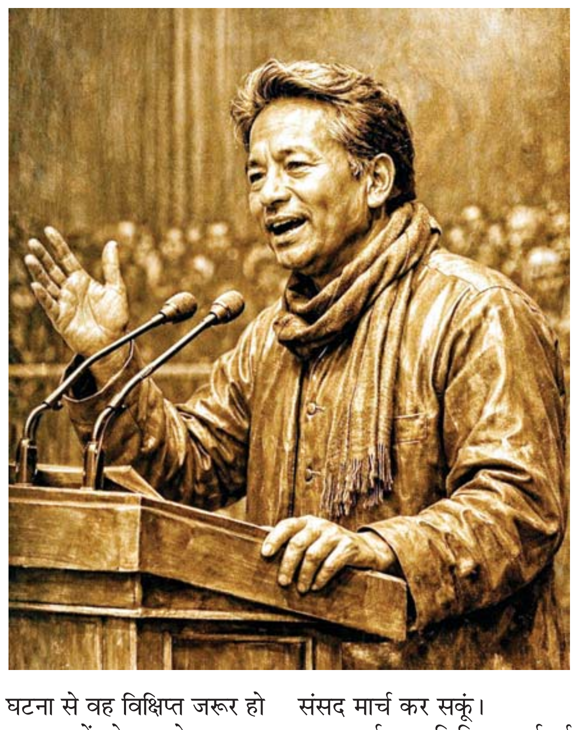

वर्तमान पुलिसिया कार्रवाई समकक्ष है,जो ब्रिटिश राज में होती थी। जब ब्रिटिश पुलिस सत्याग्रहियों को कानून-व्यवस्था के नाम पर उठाकर ले जाती थी। ब्रिटिश सरकार के पास रोलेट एक्ट और प्रिवेंटिव डिटेंशन जैसे कानून थे। इसके तहत बिना केस, बिना वारंट के किसी को भी बस शक होने पर गिरफ्तार किया जा सकता था। बहरहाल आजाद मुल्क में सफेद चादरों के घेरे में दिल्ली पुलिस की कार्रवाई लोकतंत्र पर एक बड़ा प्रश्न है? वांगचुक कह रहे हैं कि जब संस्थाएं जवाब नहीं देतीं तो लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध ही एक रास्ता बचता है। उनका कहना है, अगर मैं खाना खा लूंगा तो सरकार को संदेश जाएगा कि जवाबदेही की जरूरत नहीं है।

एक नजर

बस्तर संभाग के 5,800 युवाओं को सरकारी सेवा में रोजगार के नए अवसर मिलेंगे: केदार कश्यप

जगदलपुर, 20 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। वन मंत्री केदार कश्यप ने बस्तर फाइटर्स भर्ती नियमों में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दिए जाने के राज्य सरकार के निर्णय का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह निर्णय बस्तर के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य, क्षेत्र की सुरक्षा और समग्र विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। इससे बस्तर संभाग के लगभग 5,800 स्थानीय युवाओं के लिए सरकारी सेवा में रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रभावी मार्गदर्शन में बस्तर आज विकास, विश्वास और अवसरों के नए युग की ओर बढ़ रहा है। केंद्र सरकार की स्पष्ट नीति और निरंतर प्रयासों से बस्तर में विकास कार्यों को नई गति मिली है तथा युवाओं के लिए शिक्षा, रोजगार और बेहतर भविष्य के अनेक द्वार खुले हैं। मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार बस्तर के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लगातार जनहितकारी और दूरदर्शी निर्णय ले रही है। बस्तर फाइटर्स भर्ती में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देने का निर्णय इसी संवेदनशील और विकासोन्मुखी सोच का परिणाम है। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय बस्तर के युवाओं के सपनों को नई उड़ान देगा। केदार कश्यप ने कहा कि स्थानीय युवा अपनी भाषा, संस्कृति, भौगोलिक परिस्थितियों और सामाजिक परिवेश से भली-भांति परिचित हैं। उनकी सहभागिता से सुरक्षा व्यवस्था और अधिक प्रभावी होगी, प्रशासन एवं आमजन के बीच विश्वास मजबूत होगा तथा विकास कार्यों को भी नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह निर्णय केवल रोजगार उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि आत्मनिर्भर, सुरक्षित और विकसित बस्तर के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। साय सरकार का यह निर्णय बस्तर के युवाओं के विश्वास को मजबूत करेगा और क्षेत्र के विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा।

केंद्रीय विद्यालय सुकमा में प्रवेश के लिए 23 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित

सुकमा, 20 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। केंद्रीय विद्यालय सुकमा में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न कक्षाओं में खाली सीटों को भरने के लिए योग्य विद्यार्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस विशेष दाखिला अभियान के तहत प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर पर कक्षा 1ली, 5वीं, 8वीं, 9वीं, 10वीं के साथ-साथ कक्षा 11वीं (वाणिज्य संकाय) और 12वीं की रिक्त सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। प्रवेश पाने के इच्छुक विद्यार्थी और उनके अभिभावक 19 जुलाई 2026 से 23 जुलाई 2026 तक विद्यालय परिसर में सीधे पहुंचकर अपना ऑफलाइन पंजीकरण करवा सकते हैं। भौतिक रूप से उपस्थित होकर रजिस्ट्रेशन कराने का समय प्रतिदिन सुबह 9:00 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक निर्धारित किया गया है। विद्यालय प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि पूरी चयन व प्रवेश प्रक्रिया केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) की प्रवेश-निर्देशिका 2026-27 के कड़े नियमों और उपबंधों के तहत ही पूरी की जाएगी। यह वर्तमान शैक्षणिक सत्र में नए दाखिले का अंतिम अवसर 23 जुलाई 2026 की समय-सीमा समाप्त हो जायेगी। यदि आप भी अपने बच्चे को केंद्रीय विद्यालय की गुणवत्तापूर्ण, अनुशासित और भविष्य-उन्मुख शिक्षा से जोडऩा चाहते हैं, तो बिना देर किए सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ तय समय के भीतर सुकमा विद्यालय परिसर पहुंचकर इस अंतिम अवसर का लाभ उठाएं।

विशेष लोक अदालत में चेक बाउंस के 28 मामलों का हुआ निपटारा

कांकेर, 20 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिला न्यायालय कोंडागांव में शनिवार को परक्राम्य लिखत अधिनियम (एनआई एक्ट) की धारा 138 के तहत विशेष लोक अदालत आयोजित की गई। इस दौरान चेक बाउंस के 28 मामलों का आपसी समझौते से निपटारा किया गया और 92 लाख 36 हजार 497 रुपए के अवार्ड पारित किए गए। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर आयोजित लोक अदालत का शुभारंभ छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने वर्चुअल माध्यम से किया।

हथियार छोड़कर थामा विकास का रास्ता: प्रधानमंत्री आवास योजना ने बदली पूर्व नक्सली सुदु कड़ती की जिंदगी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भैरमगढ़/बीजापुर 20 जुलाई। कभी नक्सली संगठन का हिस्सा रहे भैरमगढ़ जनपद के ग्राम पंचायत फूलगट्टा निवासी सुदु कड़ती आज अपने पक्के घर के आंगन में खड़े होकर नई जिंदगी की शुरुआत पर गर्व महसूस करते हैं। यह सिर्फ एक मकान की कहानी नहीं, बल्कि हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटे एक व्यक्ति के संघर्ष, साहस और पुनर्वास की प्रेरक कहानी है।

सुदु कड़ती वर्ष 2017 में क्षेत्र में नक्सली प्रभाव, सीमित संसाधनों, शिक्षा और रोजगार के अभाव के चलते नक्सली संगठन से जुड़ गए थे। शुरुआत में उन्हें यही रास्ता सही लगा, लेकिन समय के साथ उन्हें महसूस हुआ कि हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। जंगलों की जिंदगी में उन्हें केवल भय, असुरक्षा और अपनों से दूरी ही मिली। आखिरकार उन्होंने वर्ष 2022 में आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया। हालांकि आत्मसमर्पण के बाद भी उनके सामने कई चुनौतियां थीं। न रहने के लिए घर था और न ही स्थायी रोजगार। शासन की पुनर्वास नीति के तहत उनके आवश्यक दस्तावेज तैयार किए गए और विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ा गया।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत पक्का मकान स्वीकृत हुआ। घर का निर्माण पूरा होने के बाद सुदु कड़ती के जीवन में नया आत्मविश्वास लौटा। वर्षों तक अस्थायी और भय के साए में जीवन बिताने के बाद अब वे अपने परिवार के साथ सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं।

भावुक होकर सुदु कड़ती कहते हैं, ÷जंगल में हर दिन डर और अनिश्चितता के बीच गुजरता था। अपनों से दूर रहने का दर्द अलग था। आत्मसमर्पण के बाद लगा कि जिंदगी बदल सकती है। प्रधानमंत्री आवास योजना से अपना घर मिलने के बाद पहली बार महसूस हुआ कि मेरी भी समाज में एक पहचान है। अब मैं चाहता हूं कि मेरे बच्चे डर नहीं, बल्कि शिक्षा, सम्मान और बेहतर भविष्य के साथ आगे बढ़ें।÷

सुदु कड़ती की कहानी इस बात का उदाहरण है कि विश्वास, पुनर्वास और विकास की योजनाएं किसी भी व्यक्ति के जीवन की दिशा बदल सकती हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना ने उन्हें केवल एक पक्का घर ही नहीं दिया, बल्कि भय और भटकाव से निकालकर सम्मान, सुरक्षा और नई उम्मीदों से भरा जीवन भी दिया। यह कहानी उन लोगों के लिए भी प्रेरणा है जो कठिन परिस्थितियों के बावजूद सही रास्ता चुनने का साहस रखते हैं।

मुख्य बाजार में जख्मी बैल ने खोली व्यवस्था की पोल

- किरंदुल में बढ़ रही आवारा पशुओं की समस्या, समाजसेवी लक्ष्मी देवी ने उपचार और गोठान में समुचित व्यवस्था की उठाई मांग
- सार्वजनिक स्थानों पर घूम रहे पशुओं से बढ़ रहा दुर्घटना का खतरा, प्रशासन व पशु सेवा संस्थाओं से तत्काल पहल की अपील

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

किरंदुल 20 जुलाई। औद्योगिक नगर किरंदुल में आवारा पशुओं की बढ़ती संख्या अब आम नागरिकों के लिए गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही है। नगर के मुख्य बाजार, बस स्टैंड, प्रमुख चौक-चौराहों तथा अन्य भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में बड़ी संख्या में मवेशी खुलेआम विचरण करते दिखाई दे रहे हैं। इससे एक ओर यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है तो दूसरी ओर सड़क दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है।

नगरवासियों का कहना है कि आवारा पशुओं की समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन इसके स्थायी समाधान की दिशा में अपेक्षित प्रयास दिखाई नहीं दे रहे हैं। स्थिति यह है कि जिन पशुओं की देखभाल और संरक्षण के लिए गोसेवा संस्थाएं, पशु प्रेमी संगठन तथा संबंधित विभाग जिम्मेदार हैं, उनका ध्यान भी अब इस ओर पर्याप्त रूप से नहीं दिख रहा है। परिणामस्वरूप असहाय और बीमार पशु सड़कों पर तड़पते हुए नजर आ रहे हैं।

इसी बीच नगर की समाजसेवी लक्ष्मी देवी ने मुख्य बाजार क्षेत्र में एक गंभीर रूप से घायल बैल को दर्द से कराहते हुए घूमते देखा। उन्होंने इसकी जानकारी विशेष संवाददाता को देते हुए गहरी चिंता व्यक्त की। उनका कहना है कि बैल लंबे समय से घायल अवस्था में है और समय पर चिकित्सा उपचार नहीं मिलने के कारण उसकी स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। यदि शीघ्र उपचार नहीं कराया गया तो उसकी मृत्यु भी हो सकती है।

लक्ष्मी देवी ने समाचार के माध्यम से गोसेवा संस्थाओं, पशु प्रेमियों, पशुपालन विभाग, नगर पालिका परिषद तथा प्रशासनिक अधिकारियों से विनम्र अपील करते हुए कहा कि घायल बैल का तत्काल चिकित्सकीय उपचार कराया जाए तथा नगर में विचरण कर रहे सभी आवारा पशुओं के संरक्षण के लिए प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि नगर पालिका परिषद द्वारा निर्मित गोठान का समुचित उपयोग किया जाए और वहां सभी आवारा पशुओं को सुरक्षित रखा जाए। गोठान में पशुओं के लिए नियमित दाना-पानी, चिकित्सा सुविधा, स्वच्छ वातावरण तथा देखभाल की उचित व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे सड़कों पर भटकने को मजबूर न हों।

नगरवासियों का भी कहना है कि सार्वजनिक स्थानों पर घूमते पशुओं के कारण कई बार दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को अचानक ब्रेक लगाने पड़ते हैं, जिससे दुर्घटनाएं होती हैं। विशेषकर रात्रि के समय यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है। इसके अलावा बाजार क्षेत्र में खरीदारी करने आने वाले लोगों तथा स्कूली बच्चों को भी असुविधा का सामना करना पड़ता है।

स्थानीय नागरिकों का मानना है कि यह केवल पशु कल्याण का विषय नहीं, बल्कि जनसुरक्षा, यातायात व्यवस्था और नगर की स्वच्छ एवं व्यवस्थित छवि से भी जुड़ा हुआ मामला है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में यह समस्या और विकराल रूप ले सकती है। नगरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि आवारा पशुओं के संरक्षण, उपचार और पुनर्वास के लिए विशेष अभियान चलाया जाए, संबंधित विभागों की संयुक्त टीम गठित की जाए तथा घायल एवं बेसहारा पशुओं के लिए तत्काल राहत और स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए। इससे न केवल पशुओं का जीवन सुरक्षित होगा, बल्कि आम नागरिकों को भी राहत मिलेगी और नगर की यातायात व्यवस्था अधिक सुचारु बन सकेगी।

स्काउट-गाइड प्रशिक्षक शिक्षकों की बैठक में संगठन को मजबूत बनाने पर जोर

- नए पंजीयन, प्रशिक्षण और पौधरोपण अभियान पर बनी रणनीति

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 20 जुलाई। भारत स्काउट एवं गाइड जिला बस्तर के जिला मुख्य आयुक्त सुरेश गुप्ता के नेतृत्व में शनिवार को स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, तोकापाल में जिले के सातों विकासखंडों से आए स्काउट-गाइड प्रशिक्षक शिक्षकों एवं जिला कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने, प्रत्येक विद्यालय तक स्काउट-गाइड गतिविधियों का विस्तार करने तथा नए शैक्षणिक सत्र में अधिक से अधिक विद्यार्थियों को संगठन से जोड़ने की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में जिला सचिव लीलेश देवांगन ने जिले में स्काउट एवं गाइड के संचालन, वर्तमान गतिविधियों एवं संचालन के दौरान आने वाली समस्याओं की जानकारी देते हुए शिक्षकों से सुझाव आमंत्रित किए। विभिन्न विकासखंडों से आए शिक्षकों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए संगठन को मजबूत बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक को संबोधित करते हुए जिला मुख्य आयुक्त सुरेश गुप्ता ने कहा कि अब समय आ गया है कि बस्तर जिले की पहचान केवल अपनी संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य से ही नहीं बल्कि स्काउट एवं गाइड की उत्कृष्ट गतिविधियों से भी बने। हमारा लक्ष्य जिले के प्रत्येक विद्यालय तक स्काउट गाइड पहुंचाना और अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इससे जोड़ना है। उन्होंने सभी दल प्रभारियों एवं प्रशिक्षक शिक्षकों से कहा कि वे नए पंजीयन अभियान को तेज करें तथा पंजीकृत विद्यार्थियों का बीएसजी इंडिया पोर्टल पर समयबद्ध पंजीयन सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आप अधिक से अधिक बच्चों को स्काउट एवं गाइड से जोड़ने का कार्य करें। वित्तीय व्यवस्था एवं यूनिफॉर्म की चिंता मुझ पर छोड़ दें। हमारा उद्देश्य बच्चों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, सेवा भावना, व्यक्तित्व विकास, पर्यावरण संरक्षण एवं नैतिक मूल्यों का विकास कर उन्हें समाज और राष्ट्र का जिम्मेदार नागरिक बनाना है।बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों में एक विद्यार्थी-एक पौधा अभियान चलाया जाएगा। केवल पौधरोपण ही नहीं बल्कि पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल को भी अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया जाएगा। बैठक में श्रीमती सुधा मिश्रा, परमेश राजा, रोशन झा, जिला संगठन आयुक्त स्काउट दसरुराम यादव, जिला सचिव लीलेश देवांगन, जिला संगठन आयुक्त गाइड श्रीमती मीरा हिरवानी, जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट जेपी पाठक, जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड दिलाशी लाल, जिला कोषाध्यक्ष गोपेन्द्र सार्दुल, जिला मीडिया प्रभारी विजय चंद्राकर, भूमिका निषाद, दीपा ठाकुर, भरत यादव, गिरवर रावटे सहित जिला कार्यकारिणी के सदस्य, सातों विकासखंडों के प्रशिक्षक शिक्षक, स्काउटर एवं गाइडर बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सरपंच लक्ष्मी वासम ने स्कूल में अपने वेतन से एक शिक्षिका रखकर मिसाल पेश की

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भोपालपटनम/बीजापुर 20 जुलाई। ग्राम पंचायत तिमेड़ के आश्रित ग्राम भटपल्ली से शिक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी की एक प्रेरणादायक मिसाल सामने आई है। शासकीय प्राथमिक शाला में लंबे समय से केवल एक शिक्षक के भरोसे पढ़ाई चल रही थी, जिससे बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही थी। ऐसे में ग्राम पंचायत की महिला सरपंच लक्ष्मी वासम ने सरकारी नियुक्ति का इंतजार करने के बजाय अपने मासिक मानदेय से शिक्षिका नियुक्त कर मिसाल पेश की है।

सरपंच लक्ष्मी वासम ने अपने तीन हजार रुपये के मासिक मानदेय से गांव की ही शिक्षित एवं जरूरतमंद अनाथ युवती चिड़ेम लक्ष्मी को विद्यालय में शिक्षण कार्य की जिम्मेदारी सौंपी है। विद्यालय में एकमात्र शिक्षक के शासकीय कार्यों में व्यस्त रहने के कारण बच्चों की नियमित पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। इस समस्या को देखते हुए सरपंच ने स्वयं पहल कर बच्चों की पढ़ाई सुचारु कराने का निर्णय लिया। चिड़ेम लक्ष्मी ने आर्थिक कठिनाइयों और माता-पिता के निधन जैसी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अपनी शिक्षा पूरी की। अब सरपंच की पहल से उन्हें अपने ही गांव में सम्मानजनक रोजगार मिला है। इससे न केवल बच्चों की पढ़ाई को मजबूती मिलेगी, बल्कि एक जरूरतमंद युवती को आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी प्राप्त हुआ है। सरपंच की इस पहल की पूरे क्षेत्र में सराहना हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि जनप्रतिनिधि यदि इसी तरह संवेदनशीलता के साथ कार्य करें तो कई समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर ही हो सकता है। गांव की इस पहल ने यह साबित कर दिया कि जनसेवा केवल वादों से नहीं, बल्कि संवेदनशील निर्णय और सकारात्मक सोच से होती है। इस अवसर पर पूर्व जनपद उपाध्यक्ष टी. गोवर्धन राव, जनपद पंचायत सदस्य तनूजा कुम्मर, उपसरपंच महेश रायपुर सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

बस्तर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार की बस्तर से तय हुई विदाई

जगदलपुर, 20 जुलाई। बस्तर विश्वविद्यालय में भर्ती प्रक्रिया में भ्रष्टाचार का आरोप लगने के बाद चल रही हलचल के बीच बड़ा प्रशासनिक फैसला सामने आया है, मौजूदा रजिस्ट्रार राजेश कुमार लालवानी की बस्तर से विदाई तय हो गई है। उन्हें अब छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय , भिलाई भेजा जा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि लालवानी का प्रोबेशन भी अभी पूरा नहीं हुआ था, इसी दौरान उनका तबादला ऐसे वक्त में किया गया है, जब बस्तर विश्वविद्यालय में बड़े पैमाने पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उनकी कार्यशैली को लेकर राजभवन और उच्च शिक्षा विभाग तक शिकायतें पहुंची थीं। वहीं कुलपति के साथ उनके संबंधों को लेकर भी लगातार चर्चा रही। हालांकि सरकार या उच्च शिक्षा विभाग ने तबादले की वजह पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। अब सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की है कि शिकायतों के बावजूद लालवानी को प्रदेश के सबसे महत्वपूर्ण तकनीकी विश्वविद्यालय ष्टस्ङ्क्षञ्ज भिलाई में नई जिम्मेदारी क्यों दी गई। उल्लेखनिय है कि विश्वविद्यालय में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों पर 20-20 लाख रुपये लेकर की जा रही भर्ती प्रक्रिया को लेकर छत्तीसगढ कांग्रेस कमेटी रायपुर के संयुक्त महासचिव उमाशंकर शुक्ला ने कुलपति मनोज श्रीवास्तव पर गंभीर भ्रष्टाचार, पद के दुरुपयोग और बाहरी राज्यों के उम्मीदवारों से लाखो के लेन-देन करने का आरोप लगाते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ एवं बस्तर के प्रतिभावान व योग्य स्थानीय युवाओं को दरकिनार करते हुए लाखो रूपये का भ्रष्टाचार का आरोप लगाया हैं। वहीं इस मामले पर इससे पहले भाजपा के पूर्व विधायक संतोष बाफना के द्वारा कुलपति मनोज श्रीवास्तव पर बाहरी राज्यों के उम्मीदवारों से 20-20 लाख रुपये लेकर उनका चयन करने के आरोप लगाते हुए राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा को पत्र लिखकर पूरी भर्ती प्रक्रिया की तत्काल उच्च स्तरीय जांच कराने और वर्तमान चयन सूची पर रोक लगाने की मांग की थी।

कमीशनखोरी के आरोप में नारायणपुर का एक निरीक्षक गिरफ्तार

नारायणपुर, 20 जुलाई । जिले में पुलिस विभाग के एक निरीक्षक और एक वकील पर सैलरी पैकेज इंश्योरेंस का क्लेम दिलाने के नाम पर कमीशन मांगने का आरोप लगा है। पुलिस ने अपने ही विभाग के एक अधिकारी के खिलाफकार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामले में एक अधिवक्ता को भी आरोपी बनाया गया है, जिसकी भूमिका की जांच अभी जारी है। जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि सैलरी पैकेज इंश्योरेंस क्लेम दिलाने की प्रक्रिया के दौरान उससे कमीशन की मांग की गई। शिकायत सामने आने के बाद नारायणपुर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। जांच के दौरान मिले शुरुआती सबूतों के आधार पर पुलिस निरीक्षक सुरेशचंद्र यादव के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

पुलिस विवेचना के दौरान शुरुआती रूप से पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद निरीक्षक सुरेश चंद्र यादव को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय ने उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया। बताया जा रहा है कि यह पूरा मामला सैलरी पैकेज इंश्योरेंस के क्लेम से जुड़ा हुआ है, जिसमें कथित रूप से कमीशन मांगने की बात सामने आई थी। पुलिस अब पूरे घटनाक्रम की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है। यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि कमीशन की मांग किस स्तर पर और किन परिस्थितियों में की गई थी। साथ ही इस मामले में अन्य लोगों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है। मामले में एक अधिवक्ता को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस का कहना है कि पूरे प्रकरण में उसकी भूमिका की जांच की जा रही है। जांच के बाद यदि अन्य लोगों की संलिप्तता सामने आती है तो उनके खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।नारायणपुर पुलिस अधीक्षक संदीप पटेल ने आज रविवार को बताया कि पुलिस विभाग में भ्रष्टाचार, पद के दुरुपयोग और अनुशासनहीनता के लिए कोई जगह नहीं है। यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी अवैध गतिविधियों में संलिप्त पाया जाता है, तो उसके खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि विभाग में पारदर्शिता, जवाबदेही और ईमानदारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनता की शिकायतों का निष्पक्ष निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

चर्च पास्टर विवाद में ईसाई समाज दो गुटों में बंटा, पुलिस ने की समझौते की पहल

कोंडागांव, 20 जुलाई । जिले के द डेनियल मेथाडिस्ट चर्च में पास्टर को लेकर विवाद से समाज दो गुटों में बंट गया है, जिसमें एक पक्ष नए पास्टर का समर्थन कर रहा है, जबकि दूसरा पुराने पास्टर को ही पद पर बनाए रखने की मांग कर रहा है। यह मामला अब कोंडागांव सिटी कोतवाली तक पहुंच गया है। दोनों पक्षों ने अपनी-अपनी मांगों और आपत्तियों के साथ पुलिस को आवेदन सौंपे हैं। हालांकि विवाद के बावजूद अब तक स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है। पुलिस ने कानूनी कार्रवाई से पहले आपसी सहमति से समाधान निकालने की पहल की है। टीआई उपाध्याय ने कहा कि यह मामला किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे समाज से जुड़ा है। कोतवाली प्रभारी के अनुसार पुलिस की पहली प्राथमिकता दोनों पक्षों के बीच संवाद स्थापित कर विवाद का शांतिपूर्ण समाधान कराना है। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों को आज रविवार को बातचीत के लिए बुलाया गया, ताकि आपसी सहमति से विवाद का निपटारा हो सके।

जवाहर नवोदय विद्यालय में शिक्षकों की कमी से 12वीं के विद्यार्थियों की बढ़ी चिंता, बोर्ड परीक्षा की तैयारी पर संकट

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 20 जुलाई। जिला मुख्यालय के एजुकेशन सिटी में स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को शिक्षकों की कमी के कारण पढ़ाई में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। विद्यार्थियों का कहना है कि कई विषयों की नियमित कक्षाएं संचालित नहीं हो पा रही हैं, जिससे उनकी बोर्ड परीक्षा की तैयारी प्रभावित हो रही है।

मिली जानकारी के अनुसार, नवोदय विद्यालय बीजापुर में अध्ययनरत छात्र छात्रों ने बोर्ड परीक्षा की तैयारी करने हेतु विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की कमी होना बताया है। जब उन्होंने इस संबंध में विद्यालय के प्राचार्य से जानकारी ली तो उन्हें अवगत कराया गया कि नए शिक्षकों की उपलब्धता में लगभग तीन माह का समय लग सकता है। इस जवाब के बाद विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों की चिंता और बढ़ गई है। उनका कहना है कि कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा का सबसे महत्वपूर्ण वर्ष होता है और यदि समय पर पाठ्यक्रम पूरा नहीं हुआ तो इसका सीधा असर परीक्षा परिणाम और विद्यार्थियों के भविष्य पर पड़ेगा। पालकों ने भी मांग की है कि विद्यालय में रिक्त शिक्षकों के पदों पर तत्काल नियुक्ति की जाए और नियमित शिक्षण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित न हो। उनका कहना है कि नवोदय विद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए जाना जाता है, ऐसे में शिक्षकों की कमी जैसी समस्या का शीघ्र समाधान होना चाहिए। विद्यार्थियों ने शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन से हस्तक्षेप कर जल्द से जल्द आवश्यक विषयों के शिक्षकों की व्यवस्था करने की मांग की है। अब देखना होगा कि संबंधित विभाग इस गंभीर समस्या को कितनी प्राथमिकता से लेते हैं और बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को समय रहते राहत दिलाने के लिए क्या कदम उठाते हैं।

एक नजर

दिव्यांगता प्रमाण पत्र एवं युडीआईडी कार्ड बनाने जिला स्तरीय शिविर 22 जुलाई को मोहला में

मोहला 20 जुलाई । बस्तर मुन्ने अभियान अंतर्गत पात्र दिव्यांगजनों को दिव्यांग पेंशन का लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला स्तरीय दिव्यांगजन प्रमाणीकरण शिविर का आयोजन 22 जुलाई को प्रातः 10 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मोहला (जिला चिकित्सालय परिसर) में किया जाएगा। शिविर में चिन्हांकित पात्र दिव्यांगजनों के दिव्यांगता प्रमाण पत्र एवं छ्ढ्ढष्ठ (युडीआईडी) कार्ड बनाए जाएंगे। हितग्राहियों को पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड की छायाप्रति एवं आधार से लिंक मोबाइल नंबर साथ लाना अनिवार्य होगा। जिला प्रशासन ने संबंधित जनपद पंचायतों से अपील की है कि वे अपने क्षेत्र के चिन्हांकित दिव्यांगजनों को आवश्यक दस्तावेजों के साथ शिविर स्थल तक पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

आवश्यक प्रमाण पत्र बनने से तरुण बाई की तीनों बेटियों के लिए शिक्षा और योजनाओं की राह हुई आसान

मोहला 21 जलाई । मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप आमजन को त्वरित, पारदर्शी और सहज शासकीय सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित सेवा सेतु केंद्र जिले में सुशासन का प्रभावी माध्यम बनकर उभर रहा है। सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं का संवेदनशीलता एवं समयबद्ध तरीके से निराकरण किया जा रहा है, जिससे लोगों का शासन के प्रति विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है। सुशासन की पहल से लाभान्वित हुई हैं ग्राम करमोता निवासी श्रीमती तरुण बाई, जिनका परिवार कृषि कार्य कर अपनी आजीविका चलाता है। अपनी तीनों बेटियों के भविष्य को लेकर वे लंबे समय से चिंतित थीं, क्योंकि उन्हें जाति प्रमाण पत्र एवं निवास प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी। इन दस्तावेजों के अभाव में बेटियों को शिक्षा, छात्रवृत्ति तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ मिलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

शालात्यागी बालिकाओं को बैग, कॉपी एवं पेन का वितरण कर किया गया प्रोत्साहित

महासमुंद, 20 जुलाई । महिला एवं बाल विकास विभाग महासमुंद के अंतर्गत संचालित महिला सशक्तिकरण केंद्र (हब) महासमुंद द्वारा शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लखनपुर में शाला त्यागी बालिकाओं को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने एवं उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बैग, कॉपी एवं पेन का वितरण किया गया।कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को शिक्षा के महत्व, नियमित विद्यालय आने तथा अपने उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए निरंतर अध्ययन करने हेतु प्रेरित किया गया। महिला सशक्तिकरण केंद्र की टीम ने कहा कि प्रत्येक बालिका को शिक्षा का अधिकार है और शिक्षा ही उनके आत्मनिर्भर एवं सशक्त जीवन की आधारशिला है।इस अवसर पर उपस्थित छात्राओं ने शैक्षणिक सामग्री प्राप्त कर प्रसन्नता व्यक्त की तथा अपनी पढ़ाई नियमित रूप से जारी रखने का संकल्प लिया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बताया गया कि शाला त्यागी बालिकाओं को पुनः शिक्षा से जोड़ने के लिए विभाग लगातार जागरूकता एवं सहयोगात्मक गतिविधियाँ संचालित कर रहा है। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण, महिला सशक्तिकरण केंद्र की टीम तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ग्राम प्रमुख सरपंच एवं स्कूल समिति के अध्यक्ष सदस्य एवं छात्राएँ उपस्थित रहीं।

अंवरी में मनाया गया माँ शीतला जुड़वास

अंवरी, 20 जुलाई। ग्राम अंवरी में माँ शीतला जुड़वास मनाया गया। सावन के आगमन से पहले गांव में एक विशेष त्यौहार मनाते है, जिससे शीतला जुड़वास के नाम से हम हिंदी भाषी लोग जानते हैं। जबकि इसे गोंडी में माता पहुंचनी के नाम से जाना जाता है। भक्तों ने बताया की शीतला जुड़वासा के पीछे की मान्यता है कि भीषण गर्मी के मौसम के बाद मौसम परिवर्तित होकर बरसात का मौसम आने वाला होता है। इस बीच में लोगों को मौसम परिवर्तन से होने वाली बीमारियां और इस भीषण गर्मी से राहत के लिए पूरे गांव की देवी देवताओं की मुखिया शीतला दाई को सेवा अर्जी(पूजा)किया जाता है। जिसमें विशेष रूप से नीम की पत्तियों के साथ हल्दी का घोल पूरे गांव के लोगों के ऊपर एवं देवी देवताओं के ऊपर छिड़काव किया जाता है। इसके पीछे की मान्यता यह है कि इस भीषण गर्मी से गांव और गांव के लोगों में एक शांति और ठंड लोगों के बीच पहुंचे। इस कारण से इस त्योहार को ठंडाई भी बोला जाता है। शीतला जुड़वास के साथ ही गर्मी का मौसम खत्म होते ही वर्षा का सीजन शुरू हो जाता है जिससे गांव में अनेक सारी बीमारियां शुरू हो जाती है जिसमें मुख्य रुप से सर्दी, खांसी, बुखार प्रमुख होती हैं, ऐसे सभी बीमारियों से बचने के लिए शीतला दाई की सेवा अर्जी कर शीतला जुडवासा मनाया जाता है। जिसे महामाया समिति एवं सेऊक भाई द्वारा विषेश पुजा आर्चना किया गया।

अवार्ड पारित प्रकरणों में रिकॉर्ड दुरुस्ती का कार्य करें पूर्ण : कलेक्टर

मोहला, 20 जुलाई। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजस्व, आबकारी एवं खनिज विभाग के अधिकारियों की संयुक्त समीक्षा बैठक लेकर विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री मिथलेश डोंडे, एसडीएम मोहला श्री हेमेंद्र भुआर्य, तहसीलदार, नायब तहसीलदार तथा राजस्व, आबकारी एवं खनिज विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने तहसीलवार राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अविवादित एवं विवादित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन तथा भू-अर्जन जैसे विभिन्न प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सभी राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

भाई की कलाई पर प्यार, धरती मां को उपहार की थीम पर एनआरएलएम बिहान की अभिनव पहल

स्व-सहायता समूह की बीज राखियों से रक्षाबंधन पर लोगों को मिलेगा हरियाली का संदेश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 20 जुलाई। जिले में स्व-सहायता समूहों की दीदियां इन दिनों रक्षाबंधन को प्रकृति से जोड़ने की अनूठी मिसाल पेश कर रही हैं। इस बार रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के अटूट स्नेह के साथ हरियाली और प्रकृति संरक्षण का भी संदेश देगा। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में जिला पंचायत रायगढ़ एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) बिहान के सहयोग से जिलेभर में महिलाएं धान, मक्का, सेमी, करेला, बरबटी सहित विभिन्न देसी बीजों से आकर्षक बीज राखियां तैयार कर रही हैं। यह अनूठी राखी केवल भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक नहीं होगी, बल्कि धरती मां को हरियाली का उपहार देने का भी संदेश देगी। विशेष बात यह है कि यदि रक्षाबंधन के बाद यह राखी मिट्टी में चली जाती है या बाहर फेंकी जाती है, तो इसमें लगे बीज अंकुरित होकर पौधे का रूप ले लेंगे और पर्यावरण संरक्षण में अपनी भूमिका निभाएंगे। बीज राखी अभियान के माध्यम से जिले की स्व-सहायता समूहों की महिलाएं न केवल अपनी रचनात्मक प्रतिभा का परिचय दे रही हैं, बल्कि समाज को प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संदेश भी दे रही हैं। इस पहल का उद्देश्य रक्षाबंधन जैसे पारंपरिक पर्व को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए अधिक से अधिक लोगों को हरियाली बढ़ाने के लिए प्रेरित करना है।

धरमजयगढ़ विकासखंड के ग्राम दुलियामुड़ा-कोयलार में कृष्णा स्व-सहायता समूह की सक्रिय महिला कविता राठिया ने धान, भुट्टा, सेमी, करेला एवं बरबटी के बीजों से आकर्षक बीज राखियां तैयार की हैं। उनका समूह जय ठाकुर देव ग्राम संगठन, रोशनी महिला संकुल संगठन दुर्गापुर से जुड़ा हुआ है। कविता राठिया की यह पहल अन्य समूहों के लिए भी प्रेरणा बन रही है। इसी प्रकार रायगढ़ जिले के सभी सातों विकासखंडों में बीज राखी बनाने का कार्य पूरे उत्साह के साथ चल रहा है। रायगढ़ विकासखंड के बैसपाली (नंदेली सीएलएफ), जुनवानी ग्राम संगठन, लोइंग क्लस्टर, गोपालपुर एवं संबलपुरी सीएलएफ, धरमजयगढ़ में कृषि सखियों द्वारा, लैलूंगा, तमनार के लिबरा गांव में जननी स्व-सहायता समूह, घरघोड़ा के बड़ेगुमड़ा में गायत्री स्व-सहायता समूह तथा पुसौर के पुटकापुरी क्लस्टर सहित जिलेभर की महिलाएं पर्यावरण मित्र बीज राखियां तैयार कर रही हैं। गांव-गांव में आयोजित स्व-सहायता समूहों की बैठकों में भी इस अभियान को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है।

सातों विकासखंडों से चुनी जाएगी सर्वश्रेष्ठ बीज राखी

अभियान के तहत जिले के सभी सातों विकासखंडों से एक-एक सर्वश्रेष्ठ बीज राखी का चयन किया जाएगा। चयन के दौरान राखी की आकर्षक डिजाइन, नवाचार, देसी बीजों का उपयोग, पर्यावरण संरक्षण का संदेश तथा रचनात्मकता जैसे पहलुओं को आधार बनाया जाएगा। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करना और पर्यावरण संरक्षण के प्रति समाज को प्रेरित करना है।

जिले के शीर्ष अधिकारियों को बीज राखी बांधेंगी चयनित सात दीदियां, होंगी सम्मानित

चयनित होने वाली सातों विकासखंडों की विजेता दीदियों को 27 जुलाई को विशेष सम्मान दिया जाएगा। इस अवसर पर वे कलेक्टर सहित जिले के शीर्ष अधिकारियों को अपने हाथों से बीज राखी बांधेंगी। इसके पश्चात सभी चयनित दीदियों को उनके नवाचार, उत्कृष्ट कार्य एवं पर्यावरण संरक्षण में योगदान के लिए सम्मानित भी किया जाएगा। यह अभियान केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाने का जनआंदोलन बनता जा रहा है। एनआरएलएम बिहान से जुड़ी स्व-सहायता समूहों की दीदियां अपनी मेहनत और नवाचार से यह संदेश दे रही हैं कि यदि हर त्योहार को प्रकृति से जोड़ा जाए, तो सामाजिक परंपराओं के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

बीजापुर ने मुझे जीवन का सबसे बड़ा अनुभव दिया चाय पर चर्चा में एसपी यादव ने साझा किए अनुभव

राजकुमार कोण्डागुरला

बीजापुर 20 मई। पुलिस अधीक्षक डॉ जितेन्द्र यादव ने शुक्रवार को चाय पर चर्चा करते हुए अपने ढाई वर्ष के कार्यकाल की यादों और अनुभवों को विस्तार से पत्रकारों से आदान-प्रदान किया गया। बीजापुर में नक्सल उन्मूलन के दौरान बीते घटनाओं और कई ऐसे पलों को सांझा किया गया जिनकों व्यक्त करते हुए कई बार भावुक नजर आए। बीजापुर में नक्सल उन्मूलन करने में यहां की जनता, पत्रकार, जनप्रतिनिधि सहित पुलिस बल, जिला प्रशासन का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

डॉ जितेंद्र यादव ने बताया कि 40 वर्षों से चली आ रही विचारधारा को खत्म करना सबसे बड़ी चुनौती थी लेकिन कुशल नेतृत्व और केंद्र-राज्य सरकार की स्पष्ट नीति व सभी के सहयोग से सबसे अधिक घोर नक्सल प्रभावित क्षेत्र के रूप में विख्यात बीजापुर आज नक्सल मुक्त हो गया है। मेरे कार्यकाल के दौरान यह उपलब्धि प्राप्त हुआ है यह सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण यादगार अनुभव है।

डॉ. यादव ने कहा कि जब केंद्र सरकार ने नक्सलवाद के खात्मे का लक्ष्य 31 मार्च 2026 निर्धारित किया था, तब सबसे बड़ी चुनौती नक्सली नेटवर्क को समाप्त करना था। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बल लगातार दुर्गम जंगलों तक पहुंचे, कई बड़े और इनामी नक्सली कमांडरों को ढेर किया तथा बड़ी संख्या में नक्सलियों को आत्मसमर्पण कराकर मुख्यधारा से जोड़ने में सफलता प्राप्त की। उनके अनुसार, यह उपलब्धि केवल पुलिस की नहीं बल्कि सभी सुरक्षा एजेंसियों और जनता के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है।

रणनीति, संवाद और जनविश्वास बनी पहचान

अपने कार्यकाल का उल्लेख करते हुए डॉ. यादव ने कहा कि बीजापुर पुलिस ने नक्सल विरोधी अभियानों के साथ-साथ जनता का विश्वास जीतने और पुलिस-जन संवाद को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया। इसका सकारात्मक परिणाम यह रहा कि लोगों का पुलिस पर भरोसा बढ़ा और विकास कार्यों के लिए बेहतर माहौल तैयार हुआ।

जहां नक्सलियों का दबदबा, वहां सड़कें, सुरक्षा कैंप स्थापित

उन्होंने कहा कि आज जिन इलाकों में कभी नक्सलियों का दबदबा था, वहां सड़कें, सुरक्षा कैंप और शासन की योजनाएं पहुंच रही हैं। अब लोग बिना भय के बीजापुर आने और यहां निवेश की संभावनाएं तलाशने लगे हैं।

मीडिया की भूमिका को बताया अहम

पत्रकारों से बातचीत के दौरान डॉ. यादव ने मीडिया की भूमिका की भी खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि स्थानीय पत्रकारों ने हमेशा जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ समाचारों का प्रकाशन किया, जिससे सकारात्मक वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग मिला। कुछ ऐसी गतिविधियां जिनसे भय का माहौल व्याप्त होता था ऐसी खबरों को मीडिया ने सकारात्मक पक्ष दिखाया जो उल्लेखनीय है।

समन्वय और विश्वास की बदौलत बदलाव संभव हुआ

उन्होंने कहा कि उनका हमेशा प्रयास रहा कि पुलिस और समाज के बीच संवाद बना रहे तथा हर वर्ग के लोगों को साथ लेकर काम किया जाए। इसी समन्वय और विश्वास की बदौलत बीजापुर में सकारात्मक बदलाव संभव हो सका।

उन्होंने कहा कि अब बीजापुर में नक्सली अराजकता, लाल आतंक की विचारधारा को दोबारा पनपने नहीं देना चाहिए। पुलिस प्रशासन पुनर्वास के बाद आम जीवन जीने व अपराधिक गतिविधियों पर रोक लगाने का प्रयास कर रहा है।

किताबों और कहानियों में सुनने मिलेगा

पत्रकारों कहा कि कोई सोच भी नहीं सकता था कि इतनी बड़ी नक्सल विचारधारा अचानक खत्म हो जाएगी। यह सबसे ब बढ़ी उपलब्धि है, आने वाले पीढ़ियों को किताबों और कहानियों में सुनने को मिलेगा। चर्चा के अंत में पत्रकारों ने भी डॉ. जितेंद्र यादव के कार्यकाल की सराहना करते हुए उनके नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं। यहां उल्लेखनीय है कि नक्सली दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले भोलेभाले ग्रामीणों को बरगलाकर उनका 30 से अधिक वर्षों तक शोषण किया।

प्राथमिक शाला दुपेली के जर्जर किचन शेड में बारिश में मध्यान्ह भोजन बनाने में होती है परेशानी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 20 जुलाई। जिले के प्राथमिक शाला दुपेली में किचन शेड की जर्जर स्थिति के कारण मध्यान्ह भोजन योजना प्रभावित हो रही है। विद्यालय में पढ़ने वाले ब'चों को भोजन वितरण में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं रसोइयों को भी भोजन बनाने में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

बारिश के मौसम में स्थिति और गंभीर हो जाती है। किचन शेड नहीं होने से बारिश में सुरक्षित स्थान के अभाव में भोजन तैयार करना मुश्किल हो जाता है। इससे भोजन की गुणवत्ता और स्व'छता पर भी असर पड़ने की आशंका बनी रहती है।ग्रामीणों और अभिभावकों का कहना है कि कई बार बारिश के दौरान भोजन बनाने में देरी होती है, जिससे ब'चों को समय पर मध्यान्ह भोजन नहीं मिल पाता। उन्होंने संबंधित विभाग से जल्द से जल्द किचन शेड की मरम्मत या नए भवन के निर्माण की मांग की है।ग्रामीणों का कहना है कि शासन द्वारा ब'चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने की योजना संचालित की जा रही है, लेकिन विद्यालय के किचन की बदहाल स्थिति इस योजना के प्रभावी संचालन में बाधा बन रही है।अब देखना होगा कि शिक्षा विभाग और संबंधित अधिकारी इस समस्या पर कब तक संज्ञान लेते हैं और प्राथमिक शाला दुपेली के ब'चों को सुरक्षित एवं बेहतर मध्यान्ह भोजन व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए क्या कदम उठाते हैं।

डिजिटल सेवाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, एग्रीस्टेक पंजीयन में लाएं प्रगति:कलेक्टर

मोहला 20 जुलाई । कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने गतदिवस को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सेवा सेतु पोर्टल एवं जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी की सेवाओं के संबंध में सीएससी संचालकों एवं आधार संचालकों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न ऑनलाइन सेवाओं की प्रगति, आधार अपडेट कार्य तथा एग्रीस्टेक पंजीयन अभियान की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में अधिकारियों द्वारा सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से विभिन्न विभागों की ऑनलाइन सेवाओं की जानकारी प्रस्तुत की गई।

कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने कहा कि सेवा सेतु पोर्टल के जरिए नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाएं सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराई जा रही हैं। राज्य शासन का उद्देश्य जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ डिजिटल माध्यम से प्रत्येक पात्र नागरिक तक शीघ्र एवं प्रभावी रूप से पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि सभी सीएससी संचालक नागरिकों को बेहतर सेवा उपलब्ध कराने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं तथा पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों का समय पर निराकरण सुनिश्चित करें।

कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने बैठक में उपस्थित सभी सीएससी संचालकों एवं आधार संचालकों को निर्देशित किया कि किसी भी आवेदन को भरते समय संबंधित दस्तावेजों का भली-भांति परीक्षण करें तथा त्रुटिरहित दस्तावेज ही पोर्टल पर अपलोड किए जाएं। उन्होंने कहा कि लापरवाही अथवा छोटी-सी त्रुटि के कारण आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ता है, इसलिए प्रत्येक आवेदन पूरी सावधानी एवं जिम्मेदारी के साथ तैयार किया जाए। उन्होंने अपूर्ण दस्तावेज स्वीकार नहीं करने, आवेदकों को आवश्यक जानकारी सही तरीके से उपलब्ध कराने तथा निर्धारित समय-सीमा में सेवाएं प्रदान करने के निर्देश भी दिए बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने जिले में आधार अपडेट की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने मोबाइल नंबर अपडेट, एमबीयू के माध्यम से आधार अपडेशन, बायोमेट्रिक एवं जनसांख्यिकीय जानकारी के अद्यतन सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि आधार सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा पात्र हितग्राहियों के आधार अपडेट का कार्य प्राथमिकता के साथ समय पर पूर्ण किया जाए। साथ ही आधार केंद्रों पर नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

समिति का तेंदूपत्ता 38 वर्षों में सर्वाधिक दर पर विक्रय, संग्राहकों को मिलेगा बड़ा लाभ

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ 20 जुलाई। गीदम प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति के लिए वर्ष 2026 ऐतिहासिक रहा। राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा 16 जुलाई 2026 को आयोजित ऑनलाइन निविदा में समिति अंतर्गत शासकीय संग्रहण का तेंदूपत्ता ?10,609 एवं ?10,909 प्रति मानक बोरा की दर से विक्रय हुआ। वर्ष 1988 से संचालित समिति के 38 वर्षों के इतिहास में यह सर्वाधिक विक्रय दर है, जो समिति एवं क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है।

पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि

वर्ष 2025 में समिति का तेंदूपत्ता ?7,689 प्रति मानक बोरा की दर से विक्रय हुआ था, जबकि इस वर्ष रिकॉर्ड दर प्राप्त हुई है। शासकीय खरीदी में गीदम समिति प्रदेश में सर्वाधिक दर प्राप्त करने वाली समितियों में शामिल हो गई है।

अधिक दर पर विक्रय होने से प्राप्त अतिरिक्त आय का लाभ बोनस के रूप में समिति अंतर्गत तेंदूपत्ता संग्रहण करने वाले लगभग 4,000 संग्राहक परिवारों को मिलेगा। इससे वनाश्रित परिवारों की आय बढ़ेगी और उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी।

सामूहिक प्रयास से मिली ऐतिहासिक सफलता

इस उपलब्धि पर मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ), डीएफओ दंतेवाड़ा, समस्त वन विभाग, जिला लघु वनोपज संघ के कर्मचारियों, सभी फड़ मुंशी भाइयों एवं प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी साथियों के प्रति समिति ने हार्दिक आभार व्यक्त किया है। समिति ने इसे सभी के सामूहिक प्रयास एवं समर्पण का परिणाम बताया।

संग्राहकों का हित सर्वोपरि - डीएफओ

डीएफओ दंतेवाड़ा ने समिति के सभी अधिकारी-कर्मचारियों, फड़ मुंशियों एवं सहयोगी अमले को बधाई देते हुए कहा कि तेंदूपत्ता संग्राहकों का हित सर्वोपरि है। अधिक दर पर विक्रय का सीधा लाभ बोनस के रूप में संग्राहक परिवारों को मिलेगा तथा भविष्य में भी पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य के माध्यम से उनके हितों को प्राथमिकता दी जाएगी।

100 प्रतिशत ऑनलाइन भुगतान व्यवस्था

जिला यूनियन दंतेवाड़ा द्वारा पिछले कई वर्षों से तेंदूपत्ता संग्रहण, बोनस, छात्रवृत्ति, बीमा एवं लघु वनोपज संबंधी कार्य ऑनलाइन ऐप के माध्यम से संचालित किए जा रहे हैं।

राज्य शासन की डिजिटल भुगतान व्यवस्था के तहत डीबीटी के माध्यम से संग्राहकों के बैंक खातों में राशि निर्धारित समय-सीमा के भीतर सीधे जमा की जाती है। इससे भुगतान प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी हुई है तथा संग्राहकों को समय पर सीधा लाभ मिल रहा है।

श्रमिकों को योजनाओं का लाभ दिला पाने में साय सरकार पूरी तरह असफल: विनोद चंद्राकर

महासमुंद,20 जुलाई। पूर्व संसदीय सचिव छग शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवन लाल चंद्राकर ने श्रम विभाग की निष्क्रिय प्रणाली को श्रमिक के साथ अन्याय करार देते हुए कहा कि पूरे प्रदेश सहित महासमुंद जिले में श्रम विभाग की कार्यप्रणाली पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है और सरकार का प्रशासनिक तंत्र आम श्रमिकों के हितों की रक्षा करने में पूरी तरह असफल साबित हुआ है। आज श्रमिक वर्ग अपने आप को सबसे ज्यादा ठगा हुआ और परेशान महसूस कर रहा है। एक ओर सरकार बड़ी-बड़ी घोषणाएं कर रही है, दूसरी ओर धरातल पर योजनाओं का क्रियान्वयन नदारद है।

उन्होंने कहा कि श्रम विभाग द्वारा वर्तमान में नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना, नोनी सशक्तिकरण योजना, सियान सहायता योजना, दिव्यांग एवं श्रमिक मृत्यु सहायता योजना, पेंशन योजना, मिनीमाता महतारी जतन योजना, दीदी ई रिक्शा सहायता योजना और दीर्घायु स्वास्थ्य योजना जैसी योजनाएं संचालित होने का दावा किया जा रहा है। लेकिन हकीकत यह है कि नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना के पिछले साल भरे गए आवेदनों की राशि आज तक हितग्राहियों को नहीं मिली है। नोनी सशक्तिकरण योजना के तहत महासमुंद जिले में निराकरण की गति अन्य जिलों की तुलना में बेहद धीमी है। सायकल सहायता योजना, श्रमिक औजार योजना, सुरक्षा उपकरण सहायता योजना और सिलाई मशीन सहायता योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं को तो पूरी तरह बंद कर दिया गया है। सबसे शर्मनाक स्थिति ई केवायसी और नवीनीकरण के नाम पर बनाई गई है। श्रमिकों को मजबूर किया जा रहा है कि वे च्वाइस सेंटर जाकर आधार देकर ई केवायसी कराएं। इसमें गरीब मजदूर का समय भी बर्बाद हो रहा है और अतिरिक्त पैसा भी खर्च हो रहा है। नवीनीकरण के नाम पर महीनों से सर्वर की समस्या बताकर फाइलों को लटकाया जा रहा है। नए मजदूर पंजीयन कार्ड के आवेदन तो लिए जा रहे हैं लेकिन उनका अप्रूवल देना बंद कर दिया गया है। श्रमिक कार्ड में संशोधन के लिए भी लोग महीनों से चक्कर काट रहे हैं।पूर्व संसदीय सचिव ने कहा कि लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत 15 दिन में निराकरण अनिवार्य है, लेकिन इस कानून की भी खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। राशि डालने में भारी अनियमितता की जा रही है। बिना दलाल के कोई काम नहीं हो रहा है। दलालों के माध्यम से फाइलें तुरंत पास हो जा रही हैं और आम श्रमिक कार्यालय के चक्कर काटने को मजबूर है। यह स्थिति सीधे तौर पर सरकार की नाकामी और श्रम विभाग की मनमानी को दर्शाती है। श्री चंद्राकर ने मांग की है कि लंबित आवेदनों का तत्काल भुगतान किया जाए, नवीनीकरण और नए पंजीयन तुरंत शुरू किए जाएं, ई केवायसी की प्रक्रिया को सरल बनाकर घर बैठे सुविधा दी जाए और दलालों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

श्रीजगन्नाथ स्वामी को अमनिया भोग का अर्पण एवं सत्यनारायण कथा 23 जुलाई तक रहेगी जारी

जगदलपुर, 20 जुलाई । बस्तर गोंचा महापर्व में गुंडिचा मंदिर-सिरहासार भवन में श्रीजगन्नाथ स्वामी के पुण्य दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रृद्धालू पंहुच रहे हैं । रियासत कालीन परंपरानुसार गुंडिचा मंदिर में भगवान श्रीजगन्नाथ स्वामी को अमनिया भोग का अर्पण 360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज के ब्राह्मणों द्वारा अर्पित किये जाने की परंपरा का निर्वहन 23 जुलाई तक अनवरत जारी रहेगा । आज रविवार को भी भगवान श्रीजगन्नाथ स्वामी को अमनिया भोग के अर्पण के बाद हजारों श्रृद्धालुओं ने श्रीजगन्नाथ के भात का प्रसाद ग्रहण किया, वहीं रोजाना 70-80 परिवार के लोगों के द्वारा गुंडिचा मंदिर-सिरहासार भवन में श्रीजगन्नाथ स्वामी के समक्ष सत्यनारायण कथा का श्रृवण करने कर परंपरा का निर्वहन किया। आज रविवार को सबसे अधिक 89 परिवार के लोगों ने सत्यनारायण कथा का श्रवण किया। 360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ सदस्य विवेक पांडे ने बताया कि गुंडिचा मंदिर-सिरहासार भवन में श्रीजगन्नाथ स्वामी को 23 जुलाई तक प्रतिदिन अमनिया भोग काअर्पण एवं सत्यनारायण कथा का श्रृवण की रियासत कालीन परंपरा का निर्वहन किया जायेगा।उन्होने बताया कि शताब्दियों पुरानी मान्यता अनुसार श्रीजगन्नाथ स्वामी, माता सुभद्रा व बलभद्र स्वामी के समक्ष गुंडिचा मंदिर-सिरहासार भवन में सत्यनारायण कथा के श्रृवण का सर्वाधिक पुण्य-लाभ प्राप्त होता है। इसके साथ ही मुण्डन, अन्नप्राशन व अन्य विविध अनुष्ठान का निर्वहन भी जारी है। गुंडिचा मंदिर-सिरहासार भवन में प्रतिदिन पूजा अर्चना के साथ ही रोजाना संध्या 7.30 बजे महाआरती के उपरांत बस्तर गोंचा महापर्व के मंच से तय कार्यक्रम के अनुसार भजन कीर्तन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रतिदिन जारी है।

एक नजर

पूरे देश में 75 अमृत भारत स्टेशनों को राष्ट्र को समर्पित किया पीएम मोदी ने

रायपुर 20 जुलाई। एक बड़े ढ़ांचागत पैकेज के तहत, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 17 जुलाई को प्रमुख अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 75 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया और उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। यह प्रधानमंत्री द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत फिर से विकसित किए गए स्टेशनों का दूसरा बड़ा राष्ट्रव्यापी समर्पण कार्यक्रम है। इससे पहले, 22 मई 2025 को प्रधानमंत्री ने 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 103 पुनर्विकसित अमृत भारत स्टेशनों को राष्ट्र को समर्पित किया था। इन नए रूप में विकसित स्टेशनों को आधुनिक और यात्रियों की सुविधा पर केंद्रित ट्रांजिट हब में तब्दील किया गया है। अब इनमें बेहतर सुविधाएं और आसान पहुंच की व्यवस्था है, साथ ही इनकी वास्तुकला स्थानीय और क्षेत्रीय विरासत को दर्शाती है। इसके अलावा इनमें भविष्य की जरूरतों के अनुसार ढ़ांचागत बदलाव भी किए गए हैं।

72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में राम-नामी को सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री का सम्मान

रायपुर 20 जुलाई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में छत्तीसगढ़ के अद्वितीय रामनामी समुदाय की समृद्ध विरासत पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म राम-नामी को सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री का राष्ट्रीय सम्मान मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय बताया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने फिल्म के निर्देशक श्री भरतबाला गणपति तथा पूरी टीम को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्मान छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति, आध्यात्मिक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर मिली महत्वपूर्ण पहचान है।

निधन

करुणा पाण्डेय

रायपुर। सुंदर नगर निवासी करुणा पाण्डेय का निधन हो गया है। वे स्व. डॉ राजेन्द्र पाण्डेय की पत्नी, कांग्रेस विधायक दल के सचिव अमित पाण्डेय, आशीष और रुनू की मम्मी थीं। उनका अंतिम यात्रा सुबह सुंदर नगर स्थित निज निवास से महादेवघाट श्मशान घाट के लिए निकाली गई। श्मशान घाट में प्रमोद दुबे, ज्ञानेश शर्मा, घनश्याम राजू तिवारी आदि उपस्थित थे।

जांजगीर-चांपा ने नेटबॉल में दुर्ग को हराकर जीता प्रथम राज्य स्तरीय खिताब

रायपुर 20 जुलाई। छत्तीसगढ़ की राजधानी के सप्रे मैदान एवं डिग्री गर्ल्स कॉलेज मैदान में आयोजित 'प्रथम छत्तीसगढ़ सीनियर राज्य स्तरीय मिक्स नेटबॉल प्रतियोगिता' का रंगारंग समापन हुआ। इस रोमांचक टूर्नामेंट में जांजगीर-चांपा की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए फाइनल में दुर्ग की मजबूत टीम को 25-21 के स्कोर से हराकर विजेता बनने का गौरव हासिल किया। वहीं, राजनांदगांव और गरियाबंद की टीमें संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहीं। समापन समारोह छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के जॉइंट सेक्रेटरी अकरम खान के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि में सैयद राजा, उमेश ठाकुर, श्रेयांश जैन , अनील सिंह,एस मोहन राव और पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सुमित मजूमदार उपस्थित थे।

कार्यक्रम में नेटबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के उपाध्यक्ष राजेश प्रताप सिंह, रायपुर जिला संघ के सचिव अनूप यदु एवं एनएफआई ऑब्जर्वर पवन पटले की विशेष उपस्थिति रही। प्रतियोगिता को सफल बनाने में प्रदेश के विभिन्न जिला संघों के पदाधिकारियों ने सक्रिय योगदान दिया, जिनमें दुर्ग जिला सचिव मोहनराव, धमतरी जिला सचिव गोपाल साहू, सरगुजा जिला सचिव रजत सिंह, सूरजपुर जिला सचिव राहुल सिंह, जशपुर जिला सचिव खुशबू गुप्ता, कोरबा जिला अध्यक्ष खुशबू राठौर, बलौदा बाजार-भाटापारा से

संदीप वर्मा, राजनांदगांव से ऋषि मेश्राम, गरियाबंद से अनिल सिंह, शक्ति से चंद्र प्रकाश तिवारी, रायगढ़ से अभिषेक गुप्ता, कांकेर से सुनील सिंह और मुंगेली से स्वप्निल चुनेकर प्रमुख रूप से शामिल रहे। इसके अलावा राष्ट्रीय खिलाड़ी इमरान खान, प्रशांत जेकब और अन्य जिलों के अध्यक्ष व सचिवों ने प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

16 जिलों के 250 खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

नेटबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ एवं नेटबॉल एसोसिएशन ऑफरायपुर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस प्रतियोगिता में पूरे प्रदेश से 16 जिलों की टीमों ने हिस्सा लिया। राउंड-रॉबिन लीग फॉर्मेट में कुल 24 लीग मैच, 4 क्वार्टर फाइनल, 2 सेमीफाइनल और 1 फाइनल मैच खेला गया। प्रतियोगिता में लगभग 250 खिलाड़ी, कोच, मैनेजर और ऑफिशियल शामिल हुए। नेटबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ की अध्यक्ष मीना केरकेट्टा ने सभी विजेता टीमों को बधाई दी और आगामी 'तीसरी राष्ट्रीय सीनियर मिक्स नेटबॉल प्रतियोगिता' के लिए छत्तीसगढ़ की एक मजबूत टीम तैयार करने पर जोर दिया। एसोसिएशन के महासचिव राजेश राठौर ने बताया कि इस प्रतियोगिता के आधार पर 8 पुरुष और 8 महिला खिलाड़ियों का चयन कैंप के लिए किया जाएगा।

मोदी की गारंटी, सुशासन की नीति और जनकल्याण की प्रतिबद्धता से बदल रहा छत्तीसगढ़ : सीएम साय

रायपुर 20 जुलाई। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि प्रदेश सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के विकास, किसानों की समृद्धि, महिलाओं के सशक्तिकरण, पारदर्शी सुशासन और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार ने ढाई वर्षों में अधिकांश मोदी गारंटियों को पूरा कर जनविश्वास को मजबूत किया है। मुख्यमंत्री श्री साय आज राजधानी रायपुर के ग्राम-बरौदा में आयोजित झेरिया यादव समाज के महासम्मेलन एवं सामाजिक भवन लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने रायपुर में झेरिया यादव समाज के सामाजिक भवन के लिए 15 लाख रुपये की घोषणा की तथा ग्राम बरौदा में नवनिर्मित सामाजिक भवन का लोकार्पण भी किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यादव समाज भारतीय संस्कृति, जीवन-मूल्यों और गौ-सेवा की समृद्ध परंपरा का संवाहक है। भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों पर चलने वाला यह समाज धर्म, सेवा और सामाजिक समरसता का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि संगठित और जागरूक

समाज ही मजबूत राष्ट्र की आधारशिला होता है तथा ऐसे सामाजिक सम्मेलन समाज सुधार और सामाजिक एकता को नई दिशा देते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सरकार गठन के बाद पहली ही कैबिनेट बैठक में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। विशेष पिछड़ी जनजातियों (पीवीटीजी) के लिए 32 हजार प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिससे समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी कर रही है। किसान कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है और खेती को लाभकारी बनाने के लिए लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की माताओं-बहनों के खातों में प्रतिमाह एक हजार रुपये की राशि अंतरित की जा रही है। इस योजना ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को नई मजबूती प्रदान की है और परिवारों की आर्थिक सुरक्षा बढ़ाई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी बस्तर के विकास में सबसे बड़ी बाधा नक्सलवाद था, लेकिन अब वहां शांति और विकास का नया वातावरण निर्मित हुआ है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और रोजगार जैसी सुविधाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है तथा विकास की मुख्यधारा अंतिम गांव तक पहुंच रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ भगवान श्रीराम का ननिहाल है। रामलला दर्शन योजना के माध्यम से अब तक 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के दर्शन का अवसर मिल चुका है। उन्होंने कहा कि सरकार 'विकास भी और विरासत भी' के मूलमंत्र पर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है जहां सुशासन एवं अभिसरण विभाग की स्थापना की गई है। सरकारी सेवाओं को पारदर्शी, जवाबदेह और समयबद्ध बनाने के लिए प्रक्रियाओं का तेजी से डिजिटलीकरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से नागरिक 24 घंटे, सप्ताह के सातों दिन अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए विभिन्न विभागों के लगभग 8 हजार अधिकारियों और कर्मचारियों को चार स्तरीय व्यवस्था से जोड़ा गया है।

सिमगा में निकली भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा, भक्ति और उल्लास में डूबा नगर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सिमगा 20 जुलाई। भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ निकाली गई। रथयात्रा में नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा के सुसज्जित रथ के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। पूरे मार्ग में ÷जय जगन्नाथ÷ के जयघोष, भजन-कीर्तन तथा ढोल-नगाड़ों की गूंज से वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालु नृत्य-कीर्तन करते हुए भगवान के रथ के साथ चलते रहे। मार्ग को फूलों से सजाया गया था, वहीं घर-घर दीप प्रज्वलित कर एवं रंगोली बनाकर भगवान का भव्य स्वागत किया गया। बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों सहित सभी वर्गों के लोगों ने रथयात्रा में बढ़-चढ़कर भाग लिया। यात्रा के दौरान भगवान श्री जगन्नाथ का रथ ब्राह्मणपारा स्थित ओमप्रकाश शर्मा के निवास पर विश्राम हेतु पहुंचा, जहां श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा-अर्चना कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। पूरे नगर में आस्था, उल्लास और धार्मिक उत्सव का अद्भुत वातावरण देखने को मिला।

सिमगा की बेटी चारु पाण्डेय ने रचा इतिहास, राष्ट्रपति भवन से मिला सम्मान का निमंत्रण

■ 21 वर्ष की आयु में 19 प्रतियोगी परीक्षाएँ उत्तीर्ण, वर्तमान में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक में असिस्टेंट ऑडिट ऑफिसर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सिमगा 20 जुलाई। सिमगा नगर की प्रतिभाशाली बेटी कु. चारु पाण्डेय ने अपनी असाधारण शैक्षणिक उपलब्धियों से क्षेत्र और प्रदेश का नाम रोशन किया है। आज वह देशभर के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुकी हैं। चारु पाण्डेय, सिमगा के आजाद चौक कंकालिन पारा निवासी स्वर्गीय हीरालाल पाण्डेय (सेवानिवृत्त प्रधान पाठक) के परिवार से हैं। उनके पिता प्रवीण कुमार पाण्डेय उच्च वर्ग शिक्षक हैं तथा माता श्रीमती सुधा पाण्डेय गृहिणी हैं।

चारु पाण्डेय ने कम उम्र में अनेक राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। वर्ष 2024 में मात्र 21 वर्ष की आयु में उन्होंने प्रथम प्रयास में 19 प्रतियोगी परीक्षाएँ उत्तीर्ण कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इनमें केंद्र सरकार की 16 तथा छत्तीसगढ़ शासन की 3 प्रमुख परीक्षाएँ शामिल हैं।

केंद्र सरकार की परीक्षाओं में कर्मचारी चयन आयोग की विभिन्न परीक्षाएँ, रेलवे की विभिन्न श्रेणियों की परीक्षाएँ तथा दिल्ली पुलिस एसआई सहित कई महत्वपूर्ण परीक्षाएँ शामिल हैं। वहीं छत्तीसगढ़ शासन की परीक्षाओं में पुलिस उपनिरीक्षक, छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग एवं व्यापम की

परीक्षाएँ भी शामिल हैं।

वर्तमान में चारु पाण्डेय भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के चेन्नई कार्यालय में असिस्टेंट ऑडिट ऑफिसर के पद पर कार्यरत हैं। विभागीय परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद उन्हें पदोन्नति प्राप्त हुई है तथा अब उनकी पदस्थापना ऑडिट ऑफिसर के रूप में विशाखापट्टनम में होने जा रही है।

चारु पाण्डेय अध्ययन के साथ-साथ श्री वाल्मीकि रामायण पर भी शोध कार्य कर रही हैं। उनकी उपलब्धियों और सफलता की चर्चा विभिन्न समाचार माध्यमों एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी लगातार हो रही है।

परिवार के अनुसार चारु पाण्डेय की उल्लेखनीय उपलब्धियों को देखते हुए आगामी 15 अगस्त के अवसर पर उन्हें राष्ट्रपति भवन में सम्मानित किए जाने के लिए निमंत्रण प्राप्त हुआ है। हालांकि इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि होना शेष है। चारु पाण्डेय की सफलता से सिमगा एवं तिल्दा-नेवरा क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। क्षेत्रवासियों ने इसे पूरे अंचल के लिए गौरव का विषय बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

ग्रामीण अंचल के 13 छात्रों ने अपनी मेहनत से शिक्षा के क्षेत्र में नई मिसाल कायम की

रायपुर 20 जुलाई। सुकमा जिले के दूरस्थ और ग्रामीण अंचलों के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और मेहनत से शिक्षा के क्षेत्र में नई मिसाल कायम की है। जिला प्रशासन द्वारा संचालित निःशुल्क क्षितिज जीईई-नीट कोचिंग सेंटर के 32 विद्यार्थियों ने नीट-यूजी-2026 की क्वालिफाइंग कटऑफ पार कर जिले का नाम रोशन किया है। इनमें से 13 विद्यार्थियों के शासकीय मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस में प्रवेश लेने की प्रबल संभावना है।

सुकमा के आदिवासी और ग्रामीण परिवारों से आने वाले इन विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय स्तर की मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी आसान नहीं थी। ऐसे में जिला प्रशासन द्वारा संचालित क्षितिज कोचिंग सेंटर उनके लिए नई उम्मीद बनकर सामने आया। यहां विद्यार्थियों को विशेषज्ञ शिक्षकों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण और निःशुल्क कोचिंग, नियमित मार्गदर्शन और परीक्षा की बेहतर तैयारी का अवसर मिला। विद्यार्थियों ने कड़ी मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन से नीट-यूजी जैसी कठिन परीक्षा में सफलता हासिल की। इस उपलब्धि के लिए वन एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और शुभकामनाएं दी है।

यह उपलब्धि जिला प्रशासन की शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे निरंतर प्रयासों का परिणाम है। कलेक्टर श्री अमित कुमार के कुशल नेतृत्व तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मुकुंद ठाकुर और जिला शिक्षा अधिकारी श्री जी. आर. मण्डावी के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया गया। प्रशिक्षण प्रदाता संस्था कैंप एकेडमी के अनुभवी शिक्षकों सूरज सिंह, सोनम सिंह, निधि चौहान और राजनीश पटेल ने विद्यार्थियों को नियमित कक्षाओं, विषयवार मार्गदर्शन और परीक्षा की रणनीति के माध्यम से तैयार किया।

क्षितिज कोचिंग सेंटर के विद्यार्थियों की इस सफलता से जिले के अन्य विद्यार्थियों में भी उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर उत्साह बढ़ा है। दूरस्थ अंचलों के विद्यार्थियों ने यह साबित कर दिया है कि प्रतिभा किसी क्षेत्र या संसाधन की मोहताज नहीं होती। यदि सही मार्गदर्शन, बेहतर अवसर और निरंतर मेहनत मिले, तो सुदूर गांवों के विद्यार्थी भी राष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल कर सकते हैं।

जिला प्रशासन ने नीट-यूजी-2026 में सफल सभी विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई दी है तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। क्षितिज कोचिंग सेंटर की यह उपलब्धि सुकमा में शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक बदलाव की प्रेरणादायक कहानी है। कभी कठिन परिस्थितियों से जूझने वाले इस जिले के विद्यार्थी आज डॉक्टर बनने का सपना देख रहे हैं और उसे पूरा करने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहे हैं। यह सफलता सुकमा के युवाओं के नए आत्मविश्वास और बेहतर भविष्य की ओर बढ़ते कदमों का प्रतीक है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के वरिष्ठ वाणिज्य अधिकारी अवधेश कुमार त्रिवेदी का चेम्बर ऑफ कॉमर्स ने किया नागरिक अभिनंदन

रायपुर 20 जुलाई। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के वरिष्ठ वाणिज्य अधिकारी अवधेश कुमार त्रिवेदी के पदोन्नत होकर गोरखपुर जोन में मुख्य माल यातायात प्रबंधक नियुक्त होने पर छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने उनका भव्य नागरिक अभिनंदन किया। इस अवसर पर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए भावभीनी विदाई भी दी गई।

चेम्बर के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थोरानी के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में चेम्बर के पदाधिकारियों ने श्री त्रिवेदी के कार्यकाल की सराहना करते हुए उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम में चेम्बर उपाध्यक्ष एवं मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के सदस्य लोकेश चंद्रकांत जैन तथा जितेंद्र शादीजा ने उन्हें शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि रायपुर रेल मंडल में अपने कार्यकाल के दौरान श्री त्रिवेदी ने आधुनिक तकनीकों को अपनाकर रेल सेवाओं को अधिक सुगम, प्रभावी एवं सुरक्षित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यात्रियों की सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ व्यापारिक गतिविधियों को गति देने में भी उनका योगदान उल्लेखनीय रहा। व्यापार जगत और आम नागरिकों के साथ उनका समन्वय सदैव सराहनीय रहा। चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पदाधिकारियों ने श्री अवधेश कुमार त्रिवेदी को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे गोरखपुर जोन में भी अपनी कार्यकुशलता से नई उपलब्धियां स्थापित करेंगे। कार्यक्रम के अंत में चेम्बर परिवार ने उनके सफल एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

18 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद रायपुर में नवोदय तीर्थ वर्षायोग के लिए बड़ा मंदिर में मुनि आगम सागर महाराज ससंघ का हुआ प्रवेश

रायपुर 20 जुलाई। आज रायपुर की सड़कों पर धर्म की अविरल धारा बही! 18 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद, दिगंबर मुनि परम पूज्य मुनि 108 श्री आगम सागर जी महाराज ससंघ का नवोदय तीर्थ वर्षायोग 2026 हेतु श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर मालवीय रोड में भव्य मंगल प्रवेश प्रातः 8 बजे हुआ।

श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर के मैनेजिंग ट्रस्टी एवं वर्षायोग 2026 के अध्यक्ष श्री नरेंद्र जैन गुरु कृपा एवं मंदिर कार्यकारणी के अध्यक्ष एवं वर्षायोग 2026 के कार्यकारी अध्यक्ष श्री संजय नायक जैन ने बताया कि आज सुबह मुनि संघ की भव्य मंगल आगवानी के लिए समस्त सकल दिगंबर जैन समाज बड़ा मंदिर ने भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया। जिसमें भक्तिमय वातावरण में बाजे गाजे से ,मार्ग में सुंदर रंगोली सजाकर,सर पर कलश लिए,धर्म ध्वजा लहराकर, जयकारों के बीच प.पु.मुनि 108 श्री आगम सागर जी महाराज,मुनि 108 श्री पुनीत सागर जी महाराज, एलक 105 श्री धैर्य सागर जी महाराज,एकल 105 श्री स्वागत सागर जी महाराज ससंघ की आगवानी की गई। केसरिया रंग में रंगे समाज बंधुओं, जयकारों की गूँज और गुरुदेव के दिव्य दर्शन ने

वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। आज का दृश्य वास्तव में अलौकिक था! श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर, मालवीय रोड में आयोजित धर्मसभा में मुनि श्री 108 पुनीत सागर जी महाराज ने अपने प्रवचन में श्रावकों को एकता और समय के सदुपयोग का महत्वपूर्ण संदेश दिया।

मुनि 108 श्री आगम सागर महाराज ने श्रद्धालुओं को जीवन सफल बनाने के सूत्र दिए। उन्होंने पारिवारिक अनुशासन और गुरु आज्ञा के महत्व पर विशेष प्रकाश डाला। अनुशासन और संस्कार बच्चों के साथ संबंधों पर चर्चा करते हुए मुनि श्री ने एक प्रेरक प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार एक पिता ने अपने बच्चे को स्कूल में देरी से जाने पर दंडित किया। उन्होंने समझाया कि पिता का क्रोध वास्तव में बच्चे की भलाई के लिए था। मुनि श्री ने सलाह दी, परिवार को सुखी देखना चाहते हो तो हमेशा यश बॉस कहने की आदत डालो और बड़ों का कहना मानो। उन्होंने अपना उदाहरण देते हुए कहा कि वे स्वयं अपने गुरु के सामने विनम्रतापूर्वक नतमस्तक रहे और उनके आदेशों का पालन कर आज इस ऊँचाई पर पहुँचे हैं।

मुनि श्री ने पद्म पुराण से राजा ब्रजचंद्र का प्रेरक प्रसंग सुनाते हुए बताया कि किस प्रकार एक अज्ञानी और क्रोधी राजा, जिसने कभी दिगंबर श्रमण को नहीं देखा था, उनके सानिध्य में एक बार में ही जैन धर्म का अनुयायी बन गया। मुनि श्री ने कहा, 'वह राजा तो जैन धर्म से अपरिचित होकर भी एक बार में सब समझकर उत्कृष्ट श्रावक बन गया, लेकिन आप जैन धर्म में जन्म लेकर भी सब कुछ देखते हुए क्यों नहीं सुधर रहे? मुनि श्री ने प्रवचन की महत्ता बताते हुए कहा कि टेलीविजन पर प्रसारित प्रवचन केवल कुछ समय के लिए ही प्रभाव डालते हैं, लेकिन मुनि के वचन जन्म-जन्मांतर तक कल्याणकारी होते हैं। उन्होंने कहा, आगम के वचन भवसागर से पार लगाने वाले और आत्म-शांति की ओर ले जाने वाले हैं।

जिन्दगी ना मिलेगी दोबारा ने उठाया नेत्रदान महादान का बीड़ा, मिलेगी दो जरूरतमंदों को नई रोशनी

रायपुर 20 जुलाई। सामाजिक संस्था ज़िन्दगी ना मिलेगी दोबारा ने समाज में एक नई पहल की शुरुआत करते हुए नेत्रदान महादान अभियान का बीड़ा उठाया है। संस्था ने आज आयोजित एक बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया कि वह नेत्रदान के प्रति जागरूकता फैलाएगी और अधिक से अधिक लोगों को इस महादान से जोड़ेगी। संस्था पहले ही सफलतापूर्वक चिकित्सा उपकरण बैंक का संचालन कर चुकी है और अब नेत्रदान के क्षेत्र में योगदान देकर दो दृष्टिबाधित व्यक्तियों के जीवन में रोशनी लाने का संकल्प लिया है। बैठक में संस्थाप्रमुख सुषमा तिवारी और संरक्षक अजय शर्मा के नेतृत्व में यह निर्णय लिया गया। इस अवसर पर सचिव ममता शर्मा, सलाहकार सुमन शर्मा, ममता बडग़ैया सहित बड़ी संख्या में सदस्यगण उपस्थित रहे। संस्था ने जनता से अपील की है कि नेत्रदान का संकल्प लें और अपने परिवार को इस इच्छा से अवगत कराएँ। आपका यह निर्णय किसी के जीवन में उजाला, आत्मनिर्भरता और नई उम्मीद ला सकता है। संस्था ने स्पष्ट किया कि नेत्रदान किसी धर्म के विरुद्ध नहीं है, न ही इससे अंतिम संस्कार में कोई बाधा आती है, और मृतक के चेहरे की बनावट भी प्रभावित नहीं होती।

दिवंगत आरक्षक के परिवार से 19 लाख की वसूली मामले में थाना प्रभारी गिरफ्तार

रायपुर 20 जुलाई। छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार और पद के दुरुपयोग के खिलाफ राज्य सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत नारायणपुर में एक गंभीर मामले में त्वरित कार्रवाई की गई है। सड़क दुर्घटना में दिवंगत डीएसएफआरक्षक स्व.श्री धनेश्वर नुरेटी की पत्नी को मिले एक करोड़ रुपये के दुर्घटना बीमा दावे में कथित अनियमितता और अवैध वसूली के आरोपों पर पुलिस ने तत्कालीन थाना प्रभारी सुरेश चंद्र यादव को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। मामले में एक अधिवक्ता पर भी गंभीर आरोप लगे हैं, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार डीएसएफआरक्षक स्व.श्री धनेश्वर नुरेटी की सड़क दुर्घटना में मृत्यु के बाद उनकी पत्नी के बैंक खाते में भारतीय स्टेट बैंक के वेतन पैकेज के अंतर्गत एक करोड़ रुपये की दुर्घटना बीमा राशि प्राप्त हुई थी। आरोप है कि तत्कालीन थाना प्रभारी सुरेश चंद्र यादव और अधिवक्ता कृष्ण कुमार वर्मा ने बीमा राशि दिलाने के नाम पर मृतक के परिजनों से 19 लाख रुपये ले लिए।

इतना ही नहीं आरोपियों ने कथित रूप से शेष बीमा राशि में भी 50 प्रतिशत हिस्सेदारी की मांग की। परिजनों द्वारा इसका विरोध करने पर उन्हें कोर्ट में मुकदमा दर्ज कराने, कानूनी कार्रवाई में फंसाने और लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित करने की धमकी दी गई। आरोपियों की लगातार अतिरिक्त रकम की मांग से परेशान होकर मृतक आरक्षक के परिजनों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय, नारायणपुर में शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर थाना कोतवाली नारायणपुर में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318, 308 एवं अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। इसके बाद आरोपी सुरेश चंद्र यादव को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

खेलो छत्तीसगढ़ • बढ़ो छत्तीसगढ़

खेलों से बदलती तस्वीर

नया छत्तीसगढ़, नए अवसर और नई पहचान

— खेल मैदानों से निकल रही नई ऊर्जा, युवाओं के सपनों को मिल रही नई उड़ान —

छत्तीसगढ़ आज केवल अपनी प्राकृतिक संपदा, संस्कृति और परंपराओं के लिए ही नहीं, बल्कि खेलों के क्षेत्र में उभरती नई पहचान के लिए भी देशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। राज्य सरकार की दूरदर्शी नीतियों और योजनाओं ने खेलों को गांव-गांव तक पहुंचाकर हजारों युवाओं के जीवन में नई उम्मीद जगाई है। खेल अब केवल मनोरंजन या प्रतियोगिता का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि यह आत्मविश्वास, रोजगार, सामाजिक परिवर्तन और प्रदेश की नई पहचान का आधार बन चुका है। राज्य के दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों से लेकर शहरों तक खेलों का ऐसा वातावरण निर्मित हुआ है, जहां प्रतिभाओं को अवसर मिल रहे हैं और युवाओं के सपनों को पंख लग रहे हैं। खेल अवसंरचना का विस्तार, आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं, खेल अकादमियों की स्थापना, खिलाड़ियों को प्रोत्साहन और पारंपरिक खेलों का संरक्षण—इन सभी प्रयासों ने छत्तीसगढ़ को खेल विकास के एक नए मॉडल के रूप में स्थापित किया है।

मुख्यमंत्री का संदेश

“ हमारी सरकार का संकल्प है कि छत्तीसगढ़ का प्रत्येक युवा अपनी प्रतिभा के अनुरूप अवसर प्राप्त करे। खेल केवल प्रतियोगिता का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त आधार है। इसी सोच के साथ हम गांवों, वनांचलों और दूरस्थ क्षेत्रों तक खेल सुविधाओं का विस्तार कर रहे हैं। बस्तर ओलंपिक, छत्तीसगढ़िया ओलंपिक, खेल अकादमियों और युवा कल्याण कार्यक्रमों के माध्यम से हजारों युवाओं को नई दिशा मिली है। हमें विश्वास है कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रदेश का गौरव बढ़ाएंगे तथा विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। ”

-विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

बस्तर बना खेल क्रांति का नया केंद्र

कभी चुनौतियों और संघर्षों के लिए पहचाना जाने वाला बस्तर आज खेल प्रतिभाओं की नई धरती के रूप में उभर रहा है। राज्य सरकार द्वारा आयोजित बस्तर ओलंपिक ने इस परिवर्तन को नई दिशा दी है। गांव-गांव और जंगलों के बीच बसे इलाकों से हजारों युवा खेल मैदानों तक पहुंचे हैं। खेलों के माध्यम से युवाओं को सकारात्मक मंच मिला है और उनके भीतर छिपी प्रतिभाओं को पहचान मिली है। फुटबॉल, तीरंदाजी, एथलेटिक्स, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल और अन्य खेलों में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर यह साबित किया है कि अवसर मिलने पर बस्तर की प्रतिभाएं किसी से कम नहीं हैं। इस पहल ने सामाजिक समरसता को भी मजबूत किया है।

आधुनिक खेल अकादमियां गढ़ रहीं भविष्य के चैंपियन

प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए आधुनिक खेल अकादमियों का नेटवर्क लगातार मजबूत किया गया है। बस्तर क्षेत्र में शुरू हुई आवासीय खेल अकादमी ने आदिवासी और ग्रामीण अंचलों के युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खोले हैं। इन अकादमियों में खिलाड़ियों को आवास, भोजन, खेल सामग्री, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और अनुभवी प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। तीरंदाजी, फुटबॉल, एथलेटिक्स, हॉकी और अन्य खेलों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवा अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं।

सरगुजा ओलंपिक : खेल प्रतिभाओं को उड़ान देने का छत्तीसगढ़ मॉडल

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा आयोजित सरगुजा ओलंपिक 2025-26 युवाओं की खेल प्रतिभाओं को निखारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के इस आयोजन में एथलेटिक्स, फुटबॉल, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, कराटे और तीरंदाजी सहित 12 खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। जूनियर और सीनियर वर्ग के खिलाड़ी विकासखंड, जिला एवं संभाग स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। ऑनलाइन और ऑफलाइन पंजीयन व्यवस्था से अधिकाधिक युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। विजेता खिलाड़ियों को प्रमाण-पत्र, शील्ड, मोमेंटो और नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। यह आयोजन खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और नई प्रतिभाओं को मंच देने का प्रभावी माध्यम बन रहा है।

खिलाड़ियों के सम्मान में खुला प्रोत्साहन का नया अध्याय

राज्य सरकार ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए देश की अग्रणी पुरस्कार नीतियों में से एक को लागू किया है। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को करोड़ों रुपये तक की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही है। खिलाड़ियों को आर्थिक सुरक्षा और सम्मान मिलने से खेलों के प्रति युवाओं का आकर्षण बढ़ा है। अब खेल को केवल शौक नहीं, बल्कि एक सम्मानजनक करियर के रूप में भी देखा जाने लगा है। हजारों युवा खेलों के माध्यम से अपने भविष्य का निर्माण कर रहे हैं।

सामाजिक समरसता को मिली नई मजबूती

खेलों के जरिए सशक्त हो रहा नया छत्तीसगढ़

आज छत्तीसगढ़ में खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन, युवा सशक्तीकरण और समावेशी विकास का प्रभावी साधन बन चुका है। खेल मैदानों में दौड़ते युवा, तीरंदाजी के लक्ष्य भेदते खिलाड़ी, हॉकी और फुटबॉल के उभरते सितारे तथा पारंपरिक खेलों में भाग लेते ग्रामीण जन—ये सभी एक विकसित और आत्मविश्वासी छत्तीसगढ़ की तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। राज्य सरकार की खेलोन्मुखी नीतियों और निरंतर प्रयासों ने प्रदेश को नई पहचान दी है। आने वाले वर्षों में यही युवा शक्ति छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर और अधिक मजबूत स्थान दिलाएगी।

मुख्यमंत्री खेल उत्कृष्टता मिशन से नई संभावनाएं

प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को प्रारंभिक स्तर से पहचानकर उन्हें उच्च स्तर तक पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री खेल उत्कृष्टता मिशन एक महत्वपूर्ण पहल बनकर सामने आया है। इस मिशन के अंतर्गत खेल अवसंरचना, प्रशिक्षण सुविधाओं, कोचिंग व्यवस्था और प्रतियोगिताओं के आयोजन पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों से प्रतिभाओं को खोजकर उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाना है।

राष्ट्रीय मंच पर चमक रही छत्तीसगढ़ की प्रतिभाएं

आज छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी देश और दुनिया में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। प्रदेश के युवा धावकों, तीरंदाजों, हॉकी खिलाड़ियों और अन्य खेल प्रतिभाओं ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित कर राज्य का गौरव बढ़ाया है। ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों से निकलकर राष्ट्रीय टीमों तक पहुंचने वाले खिलाड़ियों की सफलता यह दर्शाती है कि सही दिशा, बेहतर प्रशिक्षण और मजबूत सरकारी सहयोग मिलने पर छत्तीसगढ़ की प्रतिभाएं वैश्विक स्तर पर भी अपनी पहचान बना सकती हैं।

छत्तीसगढ़ ने झारखंड को हराकर महिला फुटबॉल में जीता गोल्ड

खेलो इंडिया और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में मजबूत उपस्थिति

राज्य की खेल अकादमियों और प्रशिक्षण केंद्रों से तैयार हुए खिलाड़ियों ने विभिन्न राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। खेलो इंडिया जैसे प्रतिष्ठित आयोजनों में प्रदेश के खिलाड़ियों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। आदिवासी अंचलों से आने वाले युवा खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया है। यह सफलता राज्य सरकार की खेल नीति और दीर्घकालिक योजनाओं की प्रभावशीलता को दर्शाती है।

डिजिटल व्यवस्था से बढ़ी पारदर्शिता

खेल प्रशासन में पारदर्शिता और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल तकनीक का व्यापक उपयोग किया जा रहा है। खिलाड़ियों के प्रमाण-पत्रों और उपलब्धियों को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ा गया है, जिससे सत्यापन प्रक्रिया सरल और पारदर्शी बनी है। इसके साथ ही खिलाड़ियों को खेल विज्ञान, पोषण और एंटी-डोपिंग संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। इससे खिलाड़ियों को सुरक्षित और पेशेवर वातावरण प्राप्त हो रहा है।

विश्वस्तरीय खेल अधोसंरचना गढ़ता छत्तीसगढ़

नवा रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम छत्तीसगढ़ सरकार की दूरदर्शी खेल नीति का उत्कृष्ट उदाहरण है। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यह स्टेडियम राज्य को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मानचित्र पर नई पहचान दिला रहा है। यहां आयोजित बड़े टूर्नामेंटों ने प्रदेश की प्रतिष्ठा बढ़ाई है, जबकि युवाओं को विश्वस्तरीय खेल वातावरण उपलब्ध कराकर छत्तीसगढ़ को उभरते खेल केंद्र के रूप में स्थापित किया है।

खेल अकादमियां

बस्तर, रायपुर, बिलासपुर, नारायणपुर सहित अनेक स्थानों पर आधुनिक खेल अकादमियां संचालित खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और सुविधाएं।

बस्तर ओलंपिक

दूरस्थ वनांचल के हजारों युवाओं को मिला मंच, नक्सल हिंसा से प्रभावित एवं आत्मसमर्पित युवाओं की सहभागिता से सामाजिक समरसता को मिली नई मजबूती।

राष्ट्रीय उपलब्धियां

छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश का नाम रोशन किया, नई ऊंचाईयों को छुआ।

युवा सशक्तीकरण

युवा महोत्सव, नेतृत्व विकास, सामाजिक जागरुकता और फिटनेस कार्यक्रमों से हजारों युवाओं को सकारात्मक दिशा और नई पहचान।

“ खेलों की ताकत से आगे बढ़ता छत्तीसगढ़ — अवसर, सम्मान और उपलब्धियों का नया अध्याय ”

खेल एवं युवा कल्याण विभाग

छत्तीसगढ़ संवाद आर.ओ.-48387/2

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26